RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः234, सोमवार, 1 सितम्बर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हल्ला बोलः यूरिया संकट और कालाबाजारी के खिलाफ उग्र प्रदर्शन 03

काली मंदिर के प्रांगण में अष्टयाम संकीर्तन का हुआ आयोजन 04

मलाइका का स्टाइलिश अंदाज़ तेज़ी से हो रहा वायरल 07

खूंखार 'भैरव कमांडो' तैयार कर रही सेना, अक्टूबर में तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और चीन से लगी सीमाओं पर त्वरित और प्रभावी हमले की क्षमता को बढ़ाने के लिए पांच 'भैरव' लाइट कमांडो बटालियनों की स्थापना शुरू कर दी है। प्रत्येक बटालियन में 250 विशेष रूप से प्रशिक्षित और सुसज्जित सैनिक होंगे। सूत्रों के

- पैदल सेना बटालियनों की तुलना में अधिक फुर्तीली होंगी यूनिट
- पलक झपकते ही दुश्मन का होगा काम तमाम, स्थापना हुई शुरू

अनुसार, सेना का लक्ष्य है कि 31 अक्टूबर तक पहली पांच यूनिट तैयार हो जाएं, हालांकि इसमें थोड़ा और समय लग सकता है। सेना की योजना मौजूदा सैनिकों से कुल 23 'फुर्तीली और घातक' भैरव बटालियनों को चरणबद्ध तरीके से तैयार करने की

है, ताकि नियमित पैदल सैनिकों और विशेष बलों (पैरा-स्पेशल फोर्सेस) के बीच की खाई को पाटा जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, पहली पांच भैरव यूनिट में से तीन उधमपुर स्थित उत्तरी कमान के तहत स्थापित की जा रही हैं। इनमें लेह के 14 कोर, श्रीनगर के 15 कोर और नगरोटा के 16 कोर के लिए एक-एक यूनिट शामिल है। चौथी यूनिट पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तानी इलाके में और पांचवीं यूनिट पूर्वी क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में तैयार की जा रही है। 11.5 लाख सैनिकों वाली भारतीय सेना इन भैरव कमांडो को अपनी 415 नियमित पैदल सेना बटालियनों (प्रत्येक में 800 सैनिक) से 'बचत और गठन' अवधारणा के तहत चुन रही है, जिसमें नए सैनिकों की भर्ती शामिल नहीं है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि नियमित पैदल सेना बटालियनों की तुलना में भैरव यूनिट छोटी और अधिक फुर्तीली होंगी। इन्हें लेटेस्ट हथियारों, उपकरणों और ड्रोनों से लैस किया जाएगा। ये यूनिट स्पीड, लचीलापन और उच्च प्रभाव वाली होंगी।

स्पेशल फोर्सेज पर बोझ कम करने की रणनीति

हालांकि विशेष बलों को उच्च जोखिम वाले वातावरण में गुप्त मिशनों, विशेष रूप से दुश्मन की सीमा के पीछे, के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन अक्सर उन्हें सामान्य सामरिक कार्रवाइयों में भी तैनात किया जाता है। एक अन्य सूत्र ने कहा, प्रत्येक भैरव बटालियन में सात-आठ अधिकारी होंगे और ये विशेष बलों को राहत देने के लिए बनाए जा रहे हैं, ताकि विशेष बल अपने अधिक महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। भैरव कमांडो अपने संबंधित रेजिमेंटल केंद्रों में दो-तीन महीने का विशेष प्रशिक्षण लेंगे और फिर अपने-अपने थिएटर में विशेष बलों की इकाइयों के साथ एक महीने के लिए एडवांस ट्रेनिंग के लिए अटैच किए जाएंगे। 26 जुलाई को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 'रुद्र' सर्व-हथियार ब्रिगेड, 'शक्तिबाण' तोपखाना रेजिमेंट, विशेष 'दिव्यास्त्र' निगरानी और लॉइटरिंग म्युनिशन बैटरी, और भैरव बटालियनों की स्थापना की घोषणा की थी।

हमारे संबंधों को तीसरे देश के 'लेंस' की जरूरत नहीं

पीएम मोदी और जिनपिंग ने डोनाल्ड ट्रंप को खूब सुनाया

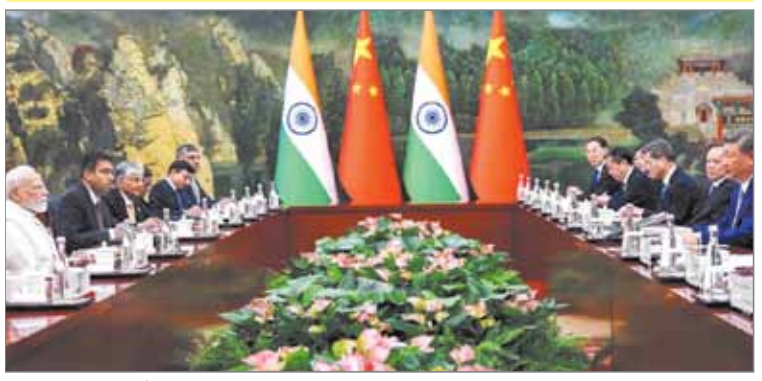

बीजिंग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन के रिश्तों को किसी तीसरे देश के लेंस से देखने की जरूरत नहीं। इस बात को डोनाल्ड ट्रंप के लिए संदेश माना जा रहा है जिन्होंने भारत पर भारी टैरिफ लगा रखा है। विदेश मंत्रालय ने भी पीएम मोदी और जिनपिंग की मुलाकात पर बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों, जैसे कि आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों में निष्पक्ष व्यापार पर साझा आधार के विस्तार को जरूरी माना है। मोदी और जिनपिंग की मुलाकात 31वें एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीदने पर भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के इस फैसले के बाद पीएम मोदी जापान और चीन की यात्रा पर पहुंचे हैं। इसमें चीन की यात्रा इसलिए मायने रखती है क्योंकि प्रधानमंत्री सात साल के अंतराल पर यहां पहुंचे हैं। गलवान में भिड़ंत के बाद दोनों देशों के रिश्ते ठंडे पड़ गए थे।

दोनों नेताओ का संदेश झगड़े में न बदलें मतभेद

विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने यह बात कही कि किसी भी तरह का मतभेद झगड़े में नहीं बदलना चाहिए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक मोदी और शी ने विश्व व्यापार को स्थिर करने में अपनी दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को स्वीकार किया। साथ ही सीमा विवाद के निष्पक्ष, तर्कसंगत और आपसी समाधान के बारे में भी बात की। मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कजान (रूस) में हुई अपनी पिछली मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में आई सकारात्मक गति और स्थिर प्रगति का स्वागत किया।

आपसी संबंधों में मजबूती बेदह जरूरी

बयान में आगे कहा गया है कि आपसी सम्मान, हित और संवेदनशीलता के आधार पर भारत-चीन और उनके 2.8 अरब लोगों के बीच एक स्थिर संबंध और सहयोग जरूरी है। साथ ही यह दोनों देशों के विकास और प्रगति के साथ-साथ 21वीं सदी के रुझानों के अनुरूप एक बहुध्रुवीय विश्व और एक बहुध्रुवीय एशिया के लिए भी इसकी जरूरत है।

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी

शी जिनपिंग ने कहा कि विश्व परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। भारत और चीन दो प्राचीन सभ्यताएं और सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। इसलिए, दोस्त और अच्छे पड़ोसी बनना, साथ ही ड्रैगन और हाथी का एक साथ चलना महत्वपूर्ण है। शी जिनपिंग ने कहा कि भारत

और चीन को बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने, बहुध्रुवीय विश्व लाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अधिक लोकतंत्र स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों को एशिया और विश्व में शांति व समृद्धि के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि विकास के अवसर हैं। दोनों देश विकास और पुनरोद्धार के महत्वपूर्ण चरण में हैं और उन्हें विकास पर ध्यान देना चाहिए।

सपा सांसद अफजाल ने की मोहन भागवत की तारीफ

हिंदू धर्म के लिए आरएसएस से बेहतर दुनिया में कोई नहीं

गाजीपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी से सांसद अफजाल अंसारी बदले मूड में नजर आ रहे हैं। जहां अक्सर पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हैं। वहीं शनिवार को उन्होंने खुलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि लोगों को उनसे सीख लेनी चाहिए। सपा सांसद

- अफजाल ने कहा- लोगों को उनसे सीख लेनी चाहिए

अफजाल अंसारी शनिवार को रायफल क्लब में विद्युत समिति की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। अंसारी ने कहा कि आरएसएस के तीन दिवसीय शिविर के बाद मोहन भागवत ने महसूस किया है कि देश में एकता और भाईचारे की जरूरत है और नफरत का कारोबार बंद होना चाहिए। सपा सांसद ने तारीफ करते हुए कहा, हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने के लिए संसार में आरएसएस से बढ़कर कोई प्लेटफार्म नहीं है। भागवत ने कहा है कि अगर हर मस्जिद और मजार में शिवलिंग तलाश करोगे तो ये देश को कमजोर करेगा। संघ प्रमुख से कुछ लोगों को नसीहत लेनी चाहिए। सांसद ने आगे कहा, मैं भागवत की बातों का स्वागत करता हूं। अन्य धर्मों के धर्मगुरुओं से भी अपील है कि वे संघ प्रमुख के वक्तव्य का स्वागत करें। सपा सांसद ने बिना नाम लिए भाजपा के बड़े नेताओं पर भी टिप्पणी की। कहा कि जिसके पास अपना परिवार नहीं होता, वह दूसरों के परिवार का दर्द क्या ही समझेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर शनिवार

को सांसद अफजाल अंसारी ने बयान दिया। कहा कि ट्रम्प के टैरिफ से टेक्सटाइल मिलें बंद हो रही हैं। इससे टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 30 लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल खड़ा किया। अफजाल अंसारी ने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि शुरुआत अच्छी थी, लेकिन अंत शर्मनाक रहा। ट्रम्प ने अमेरिका में बैठकर सीजफायर का ऐलान कर दिया और भारत-पाकिस्तान ने इसे स्वीकार कर लिया। विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी देश खुलकर भारत के पक्ष में नहीं बोल रहा है।

अशोक चौधरी के घर सीएम-अनंत सिंह की मुलाकात

- हाथ में हाथ डाले दिखे नीतिश कुमार के मंत्री और बाहुबली

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार से बाहुबली अनंत सिंह की रविवार को मुलाकात हुई। दरअसल, मुख्यमंत्री, मंत्री अशोक चौधरी के आवास पहुंचे थे, यहां अनंत सिंह पहले से मौजूद थे। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व विधायक की सीएम से ये दूसरी मुलाकात है। इस दौरान अशोक चौधरी और अनंत सिंह दोनों हाथ में हाथ डाले दिखे। बता दें कि मंत्री अशोक चौधरी अनंत सिंह के जदयू से चुनाव लड़ने का समर्थन कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, अगर अनंत सिंह मोकामा से लड़े तो पार्टी बिना मेहनत के जीत

जाएगी। मोकामा गोलीकांड में 6 अगस्त को रिहाई के बाद से ही अनंत सिंह जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। शनिवार को अनंत सिंह ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ बाढ़ से मोकामा तक रोड शो भी किया। जहानाबाद में शनिवार को एक जनसभा के दौरान तेजस्वी के समर्थन में नारे लगाने पर उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव भड़क गए। उन्होंने उस युवक को खरी-खोटी सुना दी। तेज प्रताप यादव जहानाबाद के घोषी विधानसभा क्षेत्र के लखबार हाई स्कूल के मैदान में सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने नारा लगाया- अबकी बार तेजस्वी सरकार...। इतना सुनते ही तेज प्रताप ने कहा-यहां फालतू बात मत करो। तुम आरजेडी के आदमी हो क्या। पुलिस पकड़ेगी और लेकर चल देगी। जनता की सरकार आती है। किसी व्यक्ति विशेष की सरकार नहीं आती है, जो घमंड करेगा, वो जल्दी गिरेगा और अगर नौटंकी करोगे तो रोजगार नहीं मिलेगा।

1018 गांव पानी-पानी, हर ओर हाहाकार

पंजाब में सतलुज, ब्यास और रावी नदी ढा रही हैं कहर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है। रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं। वहीं मानसा के जवाहरके गांव में बारिश

के कारण ईंट भट्ठे के गोदाम की दीवार गिर गई। इसके नीचे दबकर साइकिल सवार 58 वर्षीय किसान जगजीवन सिंह की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में सतलुज, ब्यास और रावी नदियों और बरसाती नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण पंजाब बाढ़ की चपेट में है। एनडीआरएफ और सेना की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के सख्त चेतावनी दी है।

राजस्थान के गंगानगर में किले की दीवार ढही

राजस्थान के हनुमानगढ़ में बाढ़ की आशंका के कारण हेल्थ डिपार्टमेंट और अन्य विभागों ने कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी। यहां मकान ढह गया, किले की दीवार गिर गई। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से 18 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 774 मकान बारिश में ढह चुके हैं। बलिया में गंगा किनारे तेजी से कटान हो रहा है। इसके चलते 24 घंटों में चक्की नौरंगा और भगवानपुर क्षेत्र के 24 मकान गंगा में समा गए। पंजाब में इस समय सतलुज, ब्यास और रावी नदियां अपने उफान पर हैं।

फिर लागू हो सकती हैं लॉकडाउन वाली कई योजनाएं

ट्रंप टैरिफ से कोविड स्टाइल में निपटेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ लागू कर दिया है। इस टैरिफ का सीधा असर भारतीय निर्यातकों और कामगारों पर पड़ने वाला है। वहीं टैरिफ से लाखों नौकरियों पर भी खतरा मंडरा रहा है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम से बचने का रास्ता मोदी सरकार ने निकाल लिया है। कोविड लॉकडाउन के दौरान जिस तरह की योजनाएं लागू की गई थीं, कुछ उसी स्टाइल में सरकार लोगों को राहत देने की योजना बना रही है। इसके अलावा अमेरिका से अलग बाजार तलाशने और ग्लोबल सप्लाई चेन के एकीकरण के लिए लंबी अवधि की रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक दो सीनियर अधिकारियों ने बताया कि सरकार सबसे पहले नकदी की समस्या का समाधान निकालने पर विचार कर रही है। वहीं निर्यात और

जीडीपी में निर्यात का मामूली योगदान

अधिकारियों ने कहा कि घरेलू उपभोग की वजह से अर्थव्यवस्था लचीली है। निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन यह भारत की जीडीपी 4.12 ट्रिलियन डॉलर का छोटा हिस्सा है। निर्यात का जीडीपी में योगदान केवल 10 फीसदी यानी 438 मिलियन डॉलर का ही है।

रोजगार बचाने के लिए सरकार कोविड स्टाइल में योनजाएं चलाना चाहती है। ट्रंप के टैरिफ की वजह से कई तरह के दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे कि भुगतान में देरी, देर से सामान का पहुंचना, ऑर्डर रद्द होना। वहीं निर्यात को बरकरार रखने के लिए नई मार्केट की जरूरत है। जब तक नई मार्केट नहीं मिलती, निर्यातकों को ऑपरेशन जारी रखने के लिए राहत देना जरूरी है।

सरकार कर सकती है राहत पैकेज का ऐलान

अधिकारियों के मुताबिक सरकार ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान जिस तरह के राहत पैकेज का ऐलान किया था, उसी तरह के राहत पैकेज का एक बार फिर ऐलान हो सकता है। उद्योगों में नकदी की समस्या, खास तौर पर लघु और मध्यम उद्योगों के लिए इस तरह की योजनाएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इमर्जेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम जैसी योजनाओं पर फोकस करना चाहती है जो कि 100 फीसदी गारंटी के साथ बिना जमानत के लोन उपलब्ध करवा सकें। इससे लाखों छोटे और मध्यम उद्योग दीवालिया होने से बच जाएंगे। लॉकडाउन के दौरान जब 68 दिनों के लिए औद्योगिक गतिविधियां ठप हो गई थीं, तब इसी योजना ने उद्योगों को बचा लिया था। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा समस्या और उसके समाधान को देखते हुए इन योजनाओं में बदलाव किया जा सकता है।

बिहार चुनाव में अकेले ताल ठोकेगी बसपा

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अब कुछ महीने का समय बचा है। इस चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन जहां वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। वहीं एनडीए गठबंधन भी अपनी तैयारियों के बल पर जीत का दावा ठोक रहा है। बिहार के इस चुनावी दंगल में अब हाथी पर अपने पैर जमाने जा रहा है। इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी में कई दौर की बैठकें की गई है। इस बैठक उम्मीदवारों के चयन से लेकर अकेले चुनाव लड़ने तक की रूपरेखा तैयार की गई है। बसपा बिहार चुनाव में अकेले दम पर ताल ठोकने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बसपा सुप्रीमो व यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि बीएसपी आगामी चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेगी और इसके लिए पार्टी स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों से वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ हुई बैठकों में उम्मीदवारों के चयन, संगठनात्मक मजबूती और चुनावी अभियान की रूपरेखा पर गहन चर्चा की गई है।

- मायावती ने आकाश आनंद को दी बड़ी जिम्मेदारी

संक्षिप्त समाचार

इस्कॉन पटना में मनाई गई राधाष्टमी, 40 प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से सजा दरबार

पटना। पटना के इस्कॉन मंदिर में आज धूमधाम से राधाष्टमी मनाई जा रही है। यह राधारानी के जन्मोत्सव के रूप में हर साल मनाया जाता है। इस अवसर पर आज इस्कॉन मंदिर में राधे-कृष्ण का भव्य अभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान के दरबार को 40 प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया। इसमें गुलाब, गेंदा, ऑर्किड, कमल, रजनीगंधा सहित अन्य फूल है। हर तरफ "राधे-राधे" और "हरि बोल" के जयघोष गूंज रहे थे। भक्त नाचते-गाते, झूमते और कीर्तन में मग्न दिख रहे थे। इस्कॉन पटना के मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य राधापति चरण दास ने बताया कि इस बार राधाष्टमी के लिए विशेष तैयारियां की गईं। मायापुरी और वृंदावन से राधाष्टमी के लिए विशेष कीर्तन मंडली आई है। राधा कृष्ण का अभिषेक दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बने पंचामृत से किया गया। देर रात तक लगातार भजन-कीर्तन और रासलीला के आयोजन होंगे। भक्तजन पूरी रात राधे-कृष्ण की भक्ति में डूबे रहेंगे। मंदिर परिसर में बैठने, भोजन और प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि कोई भी भक्त असुविधा महसूस न करे। उन्होंने आगे कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने को देखते हुए इस्कॉन मंदिर प्रबंधन ने विशेष इंतजाम किए हैं। स्वयंसेवकों की टीम लगातार भक्तों की सुविधा का ध्यान रख रही थी। प्रसाद वितरण के लिए अलग से स्टॉल लगाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी है, ताकि भक्त निश्चिंत होकर भक्ति का आनंद ले सकें। राधाष्टमी का पर्व भक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इस दिन भक्त केवल भगवान से आशीर्वाद ही नहीं, बल्कि प्रेम और भक्ति का संदेश भी ग्रहण करते हैं।

पटना के बोधगांवा में बदमाशों ने युवक को मारी गोली, गंभीर, पैर में लगी बुलेट

पटना। पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र के बोधगांवा में शनिवार की देर शाम एक 26 वर्षीय युवक को गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान प्रमोद कुमार(26) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उसके पैर में गोली लगी है। वह अपने दोस्त सन्नी कुमार के साथ बाइक से घर लौट रहा था। जहां पसही बाजार के पास अज्ञात बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। घटना के बाद सन्नी किसी तरह बचकर भाग निकला। जिसके बाद परिजनों ने प्रमोद को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों ने शिवाला-नौबतपुर मार्ग पर आगजनी कर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह घटना नशे के कारोबार से जुड़े विवाद का नतीजा है। उनका कहना है कि बोधगांवा से फरीदपुर तक ब्राउन शुगर, स्मैक, हेरोइन, गांजा और शराब की खुली बिक्री होती है। सिटीएसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि घायल युवक अब खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और एफएसएल की मदद से अपराधियों की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मामले को लेकर पिछले तीन दिनों से विवाद चल रहा था।

पटेल छात्रावास में बंधक बनाकर मारपीट, पटना में छात्रों पर किडनैपिंग करने का आरोप

पटना। पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र के पटेल छात्रावास में मारपीट की घटना हुई है। हारून नगर फुलवारी शरीफ के रहने वाले शौकत अली ने पटेल छात्रावास के छात्रों पर किडनैपिंग, मारपीट और रुपए छीनने का आरोप लगाया है। शौकत अली के आवेदन के मुताबिक आज सुबह 11:30 बजे रमना रोड अपने जानने वाले के साथ गए थे। इसी बीच पटेल छात्रावास के पास सभी को किडनैप कर लिया गया। लगभग 3 घंटे तक हॉस्टल में बंधक बनाकर रखा गया। इसके बाद पिस्टल के बल पर मारपीट की गई। हॉस्टल की छत पर ले जाकर नग्न करके वीडियो बनाया गया। इसके अलावा पास में 3 लाख रुपए और 4 मोबाइल थे, उसे भी छीन लिया। इसके बाद जैसे तैसे वहां से तीनों जानने वाले बाहर भागकर जान बचाए। पुलिस को आदिल शौकत ने बताया है कि लगभग 50 से अधिक लड़के टूट पड़े। वो अपने जानने वाले अरशद खान, गोपी शिवा के साथ रमना रोड गया था। हॉस्टल में अंदर ले जाने के बाद उसमें से चार छात्रों ने मुंह में पिस्टल डाल दी और मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं रंगदारी के तौर पर 50 लाख रुपए की भी डिमांड करने लगें। फिलहाल पुलिस की ओर से कदमकुआं थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

टोटो पलटने से वैशाली के युवक की मौत, बच्चे को बचाने में हुआ हादसा, 25 वर्षीय युवक ने जान गंवाई

हाजीपुर। समस्तीपुर जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के मोहनपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शनिवार शाम 7:00 बजे एक टोटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में टोटो चालक घायल हो गया। जबकि यात्री की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को मोहनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यात्री की हालत देखते हुए उसे समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं चालक को हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया। मरने वाले की की पहचान वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के लावापुर गांव निवासी ओमप्रकाश शर्मा के 25 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार के रूप में हुई। मृतक के भाई के अनुसार, एक बच्चा अचानक सड़क पर आ गया। उसी को बचाने के चक्कर में टोटो पलट गया। रौशन कुमार तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंची। कागजी कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

महुआ में हाईकोर्ट का आदेश ठेंगे पर सड़क की बढ़ी ऊंचाई से लोग परेशान

हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ बाजार में पथ निर्माण विभाग की तरफ से किए जा रहे सड़क निर्माण को लेकर विवाद हो गया है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पटना उच्च न्यायालय ने दीपक मुखर्जी बनाम बिहार राज्य 2010 के मामले में स्पष्ट आदेश दिए थे। न्यायालय के अनुसार सड़क की ऊंचाई प्लिंथ एरिया से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही स्थानीय निवासियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया था। महुआ के गांधी चौक की सड़क बरसात में टूट गई थी। इसमें बड़े गड्ढे हो गए थे। पथ निर्माण विभाग ने जल्दबाजी में मरम्मत का काम शुरू किया। विभाग ने हाईकोर्ट के निर्देशों की अनदेखी करते हुए सड़क को आवश्यकता से अधिक ऊंचा बना दिया। लोगों को कहना है कि सड़क की अधिक ऊंचाई से बरसात में उनके घरों और दुकानों में पानी भर जाएगा। ठेकेदार द्वारा गांधी चौक पर मलवा गिराने से सड़क ऊंची हो गई है। इससे दुर्घटना का खतरा है। न्यायालय के आदेश के अनुसार नई तकनीक का उपयोग किए बिना सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ाई जा सकती। लोगों ने इस निर्माण कार्य की जांच की मांग की है । इसको लेकर स्थानीय अधिवक्ता शशि मोहन प्रसाद सिंह , चंदन कुमार , सुनील कुमार , मिथिलेश कुमार , विमल कुमार , अरुण कुमार, राजीव कुमार, संजीव कुमार ने प्रधान सचिव को पत्र लिखकर इस मामले को उठाया है और सही ढंग से सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

पटना में राहुल की यात्रा को लेकर कांग्रेस की तैयारी

एजेंसी, पटना

पटना में राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा को लेकर रविवार को कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि कल ऐतिहासिक दिन है। सभी महागठबंधन के नेता मार्च करेंगे, और कल ही अंतिम तारीख है। चुनाव आयोग में SIR के तहत ऑब्जेक्शन जमा कराने की। हमने उन सब की ही शिकायतें ली जो बीजेपी को वोट देते हैं या नोटा दबाते हैं। राहुल गांधी को कल कई भाजपा के लोग काले झंडे दिखाने आए मगर राहुल ने उन्हें भी चॉकलेट खिलाई।

अबतक 89 लाख कंपलेन चुनाव आयोग को भेजाः कांग्रेस पार्टी ने 89 लाख कम्प्लेन चुनाव आयोग को भेजा है। हमें रसीद नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्षों के माध्यम से हमने इन लोगों के कम्प्लेन लिए हैं। हम अपना काम चुपचाप करते रहे। जबकि उनके सोर्स ने कहा कि एक भी शिकायत नहीं आई है। हमने इसका पैटर्न समझा और ये समझ आया कि जब कोई शिकायत लेकर जाता है तो चुनाव आयोग शिकायत लेती ही नहीं है। मगर राजनीतिक दलों से शिकायत नहीं लेने का आदेश चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता को आ गया होगा। इसलिए वह नहीं ले रहे हैं।

90 हजार से अधिक वोटर के नाम कटेः कुल 90 हजार 540 बूथ पर 65 लाख वोट काटे गए। इसमें पलायन के कारण 25 लाख वोट है, दूसरा 22 लाख मृतक है। 100 से अधिक नाम काटे जाने वाले बूथों की संख्या 20368 है। इन 65 लाख नामों में 20 लाख इन बूथों से हैं। इसी प्रकार 200 से अधिक नाम काटे जाने वाले बूथों की संख्या 1988 है। 7613 बूथ ऐसे हैं, जहां पर 70% या उससे अधिक महिलाओं के नाम काटे गए हैं। 635 बूथ ऐसे हैं जहां प्रवासी श्रेणी में जाए गए नामों में 75% से अधिक महिलाएं हैं। कहा कि हम भी यही चाहते हैं की सुचारू रूप से इलेक्शन हो। एक भी गलत आदमी वोटर लिस्ट में नहीं रहे और एक भी सही व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट से नहीं कटे। चुनाव आयोग फिर से सत्यापन कराए और फिर से डोर टू डोर जाकर जांच कराए।

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में लड़ाई रहेगी जारीः राजेश राम ने कहा कि ये कारवां रुकने वाला नहीं है। हम जनता की लड़ाई राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में जारी रखेंगे। भले ही हमारे वोटर अधिकार यात्रा का 1 सितंबर को विधिवत समापन है मगर इस लड़ाई को जारी रखेंगे। ये यात्रा का पॉलिटिकल मायना निकाला जा रहा है। मगर हम स्पष्ट रूप से उन वोटरों के अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं, जो संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार के तहत वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहे हैं। यह कोई सरकार बनाने की लड़ाई हम नहीं लड़ रहे हैं।

♦ अखिलेश सिंह बोले- महागठबंधन के प्रदर्शन में बड़े नेता होंगे शामिल, सरकार बनाने का दावा

दो-तिहाई बहुमत से बनेगी महागठबंधन की सरकारः कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह ने कहा कि इस पूरे यात्रा में बिहार की जनता राहुल गांधी के साथ थी। हम लोगों ने आजादी की लड़ाई से नहीं देखा था, मगर यह यात्रा एक प्रमुख फैक्टर था। इसी हताशा में बीजेपी वालों ने कांग्रेस परिसर में आक्रमण किया। जो लोग जंगल राज की बात कहते थे वही लोग खुद वह काम कर रहे हैं। राहुल गांधी को जो बिहार के लोगों का आशीर्वाद मिला है उससे मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि हम दो-तिहाई बहुमत के आधार पर महागठबंधन की सरकार बनाने जा रहे हैं।

पटना में एपीके लिंक भेजकर ठगी करने वाले 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ रुपए निकालने के लिए हायर किए थे लड़के, दिन भर रहते थे एटीएम के आस पास

साइबर थाना पुलिस ने MEESHO और APK लिंक भेजकर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छापेमारी कर तीन अपराधियों – अभय कुमार (29, बेतिया के बंसवरिया), नीतीश कुशवाहा (23) और राहुल सिंह (27, गोपालगंज कटेया) को गिरफ्तार किया है। ये तीनों पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड नंबर 10, केसरी नगर स्थित किराए के मकान से साइबर फ्रॉड चला रहे थे।

गिरोह का ठगी करने का तरीकाः आरोपी ऑनलाइन सामान बेचने और नकली साइटों पर बुकिंग कराने के नाम पर लोगों को फंसाते थे। जैसे ही पीड़ित पैसा भेजता, उनके खाते से फौरन ATM ट्रांजेक्शन करा लिया जाता।

रूपए देकर हायर किए थे लड़केः गैंग में 10-15 लड़के और शामिल हैं। इन्हें 20-25 हजार रुपए सैलरी पर रखा जाता है और इनका काम सिर्फ शहरी ATM के आसपास खड़े रहना होता है। जैसे ही किसी खाते में ठगी से पैसा आता था, ये लड़के तुरंत उसका ट्रांजेक्शन कर देते थे। पासवर्ड और बाकी जानकारी गिरोह के सरगना और ऑपरेटर इन्हें बताते थे। आरोपियों के खिलाफ शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। गिरोह का मुख्य सरगना अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। - नीतीश चंद्र धारिया, साइबर डीएसपी गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 2 लैपटॉप, 1 टैब, 15 मोबाइल, 61 ATM कार्ड, एयरटेल का स्ट्रीम फाइबर, एक काली डायरी (लेखा-जोखा दर्ज) बरामद किए हैं।

तीसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत, प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

पटना के पत्रकारनगर थाना क्षेत्र के टीवी टॉवर के पास बन रहे एक निर्माणाधीन मकान से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान नालंदा जिले के हरनौत निवासी कामता राम (52) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अरविंद सिंह के मकान में काम कर रहा था। जहां तीसरी मंजिल से वह अचानक गिर गया। जिसके बाद उसे मजदूरों और मकान मालिक की मदद से PMCH में एडमिट कराया गया।

मुआवजे की मांग को लेकर किया प्रदर्शनः जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित मजदूरों और परिजनों ने कांटी फैक्ट्री के पास रविवार की अहले सुबह दो बजे सड़क जाम कर दिया और आगजनी की। सुबह दो बजे से 5 बजे तक लगभग 3 घंटे जमकर मजदूरों ने मुआवजे के लिए बवाल काटा। सड़क जाम की खबर मिलने के आधे घंटे के बाद चित्रगुप्त नगर थाने की पुलिस मौके पर पुलिस। तब तक आस पास में खड़ी पेट्रोलिंग गाड़ी भी पहुंच गई।काफी समझाने बुझाने के बाद मजदूर शांत हुए और लाश लेकर चले गए।

♦ मुआवजे की मांग की

40 साल से मजदूरी करता थाः मृतक की बड़ी मां सीता देवी ने बताया कि बचपन से ही कमता मेरे साथ ही रहा। पिछले 40 वर्षों से मजदूरी का काम करता था। अरविंद सिंह के साथ बहुत दिनों से था। कैसे गिरा पता नहीं चला। मौत की जानकारी सुबह में हुई। कमता परिवार का इकलौता कमाने वाला था। 5 बच्चे हैं। एक बेटी और एक बेटा नाबालिग हैं और पत्नी दिव्यांग हैं। उनका भरण पोषण अब कौन करेगा।

4 सितंबर को पटना में जुटेंगे एसटीईटी अभ्यर्थी

एजेंसी, पटना

पटना में STET, BTET और लाइब्रेरियन की परीक्षा की मांग को लेकर अभ्यर्थियो का आक्रोश एक बार फिर सड़कों पर देखने को मिलेगा। 4 सितंबर को सुबह से ही बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना कॉलेज परिसर में जुटेंगे और वहां से पैदल मार्च निकालकर भिखना पहाड़ी, खेतान मार्केट, जेपी गोलंबर होते हुए डाकबंगला चौराहा पहुंचेंगे। बता दें कि 18 अगस्त को इसके पहले 7 अगस्त को भी STET के छात्रों ने सड़कों पर 5 घंटे तक प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। अभ्यर्थी CM हाउस का घेराव करने निकले थे। कैंडिडेट्स डाकबंगला चौराहा होते हुए CM हाउस जाना चाह रहे थे। पुलिस ने सभी को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर रोका। करीब 1 घंटे यहां प्रदर्शन के बाद कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकले लगे। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें कुछ को चोटें भी आई हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा था कि TRE 5 से पहले होगा STET परीक्षाः हालांकि, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि, इन तमाम अभ्यर्थियों की मांगों पर विचार किया जा रहा है जल्द इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। वही इससे पहले उन्होंने कहा था कि अभी 4 लाख से अधिक अभ्यर्थी ऑलरेडी STET क्वालिफाइड है। जब TRE 5 होगी तब उससे पहले STET की परीक्षा ली जायेगी। अभी परीक्षा लेते हैं, तो TRE 4 में काफी लेट होगा। हमलोग जल्द ही TRE 4 के लिए रिक्त पदों की संख्या BPSC को भेज देंगे।

नीतीश के ऐलान के बाद कैंडिडेट्स में गुस्साः दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 4 अगस्त को X पर लिखा था कि, TRE-4 की परीक्षा साल 2025 में और TRE-5 साल 2026 में ली जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि STET का आयोजन TRE-5 से पहले कराया जाएगा। यानी अब STET परीक्षा 2026 में होगी। इस घोषणा से उन हजारों युवाओं को गहरा झटका लगा है जो TRE-4 से पहले STET आयोजित कराए जाने की उम्मीद लगाए बैठे थे। इसके बाद से ही STET कैंडिडेट्स में गुस्सा है।

शिक्षक बनने का नहीं मिलेगा मौकाः अभ्यर्थियों का कहना है कि 'अगर STET परीक्षा TRE-4 से पहले नहीं होती, तो सत्र 2022-2024 और 2023-2025 के B.Ed और BTC प्रशिक्षु छात्रों को इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का मौका नहीं मिल सकेगा।' 'छात्रों के पास शिक्षक बनने के लिए आवश्यक पात्रता ही नहीं होगी, क्योंकि STET के बिना वे TRE-4 में आवेदन करने के अयोग्य माने जाएंगे।'

♦ लाइब्रेरियन परीक्षा की मांग को लेकर करेंगे प्रदर्शन, अब तक दो बार हो चुका लाठीचार्ज

सोशल मीडिया पर अभ्यार्थियों सरकार से जल्द बहाली लेने की मांग कीः एक अभ्यर्थी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "STET हर हाल में TRE-4 से पहले होना चाहिए। जब बोर्ड ने साल में दो बार परीक्षा कराने की बात कही थी, तो अब इतना लंबा गैप क्यों दिया जा रहा है।' एक अन्य छात्र ने कहा, 'हमारी पूरी तैयारी इस उम्मीद पर थी कि STET होगा और हम TRE-4 के लिए आवेदन कर पाएंगे, लेकिन सरकार ने अचानक दिशा बदल दी।'

STET क्या होता है और यह क्यों जरूरी हैः State Teacher Eligibility Test (राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा)। यह परीक्षा बिहार में माध्यमिक (9वीं-10वीं) और उच्च माध्यमिक (11वीं-12वीं) स्तर के सरकारी स्कूलों में शिक्षक बनने के लिए आवश्यक पात्रता परीक्षा है। इसका आयोजन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) द्वारा किया जाता है।

भाभी ने देवर की धारदार हथियार से की हत्या

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के भूसौला दानापुर में एक भाभी ने अपने देवर की हत्या कर दी। मृतक की पहचान रिजवान कुरैशी(24) के रूप में हुई है। घटना रविवार की सुबह की है। रिजवान जब अपने कमरे में सो रहा था, तब उसकी भाभी शबनम खातून ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। हमले के बाद शबनम घर का दरवाजा बंद कर फरार हो गई। परिवार के सदस्य रूबी खातून ने बताया कि शबनम की शादी मोहम्मद शाहबाज कुरैशी (32) से हुई है। शाहबाज पशु व्यापार का काम करते हैं। वहीं मृतक रिजवान बिजली का काम करता था। करीब एक साल पहले रिजवान की शादी अरवल में हुई थी।

♦ शादी से नाराज थी, साथ रहने को लेकर हुआ था विवाद

देवर के साथ रहना चाहती थीः शबनम अपने देवर रिजवान की शादी से खुश नहीं थी। वह बार-बार रिजवान को अपने साथ रहने के लिए कहती थी। रिजवान इसके लिए तैयार नहीं था। इस वजह से घर में कई बार झगड़े भी हुए। शाहबाज ने अपनी पत्नी को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है। आरोपी भाभी की तलाश में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जांच में जुटी पुलिसः फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि मामला पारिवारिक विवाद का प्रतीत हो रहा है।

दो बिल्डरों के बीच विवाद में फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित मौर्य विहार कॉलोनी में जमीन विवाद को लेकर रविवार की सुबह दो बिल्डरों के बीच जमकर विवाद हो गई। बात इतनी बढ़ गई की एक बिल्डर ने दूसरे पर गोली चला दी। गोली बिल्डर को लगी और वह घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए पटना के निजी नर्सिंग ऑफ में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी बिल्डर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने घर में छापेमारी कर बिल्डर के घर से एक सेमी ऑटोमेटिक राइफल बरामद किया है।

पैसे की लेनदेन को लेकर हुआ था विवादः मिली जानकारी के अनुसार मौर्य बिहार कॉलोनी में लव कुश शर्मा और सूर्यकांत दोनों जमीन का कारोबार किया करते हैं। आसपास के लोगों का मानना है कि सूर्यकांत शर्मा का लाखों रुपया लवकुश शर्मा के पास बकाया था। इस बात को लेकर कई दिनों से दोनों के बीच विवाद चल रही थी। रविवार को फोन पर दोनों के बीच पैसे की लेनदेन को लेकर काफी झड़प हुई। इसी बीच सूर्यकांत लवकुश शर्मा के घर पहुंच गया। बताया जा रहा है कि लव कुश शर्मा ने घर में रखे राइफल से सूर्यकांत पर गोली चला दी। सूरजकांत को दो गोली लगी और वह घायल हो गए। इस बीच मौके का फायदा उठाकर लवकुश शर्मा वहां से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लव कुश शर्मा के घर से एक राइफल बरामद किया है।

जांच में जुटी पुलिसः सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया कि बरामद की गए राइफल से गोली चली है या फिर किसी और राइफल से। आसपास के लोगों का मानना है की घटना के बाद लव कुश शर्मा के परिवार वाले लोगों द्वारा पानी का मोटर चलकर खून को धोकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया। घटनास्थल पर एफएसएल टीम पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पदयात्रा करेंगे राहुल गांधी, कार्यक्रम का नाम बदलकर अंबेडकर रखा

♦ महागठबंधन नेताओं की भूमिका सीमित?

एजेंसी, पटना

15 दिन का सफर तय करके महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा अब अपनी समापन पर है। 1 सितंबर को राहुल गांधी सहित अन्य नेता गांधी मैदान के गांधी मूर्ति से शुरू होकर हाई कोर्ट के अंबेडकर स्मारक तक 4 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे। इस वोटर अधिकार यात्रा के समापन कार्यक्रम का नाम 'गांधी से अंबेडकर' रखा गया है। इस पदयात्रा के जरिए राहुल गांधी आंदोलन के जरिए संविधान बचाने का संदेश देना चाहते हैं, साथ ही सड़क की सियासत को सत्ता तक ले जाना चाहते हैं।

गांधी मैदान उपलब्ध नहीं होने पर लिया गया फैसलाः हालांकि, इस पदयात्रा से पहले रैली का कार्यक्रम था, जिसे बाद में बदल दिया गया। कांग्रेस की ओर से रैली के दिन 1 सितंबर को गांधी मैदान नहीं उपलब्ध हो पाने के कारण यह फैसला लेने की बात कही गई है। वह समय रहते गांधी मैदान को आवंटित नहीं करा पाए। मगर इसके बावजूद उन्होंने पटना के अन्य मैदान जैसे वेटनरी कॉलेज ग्राउंड या मिलर ग्राउंड को आवंटित न करके सीधे पदयात्रा का ऐलान कर दिया। आखिर इस बदलाव का क्या कारण है। इस पदयात्रा से राहुल क्या मैसेज देना छह रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित किसी भी व्यक्ति या दल द्वारा गांधी मैदान में आज रात्रि में रुकने या किसी अन्य कार्य के लिए अनुमति नहीं मांगी गई है।

संविधान के रक्षक होने का संदेशः सीनियर जर्नलिस्ट प्रवीण बागी ने कहा कि राहुल गांधी इस पदयात्रा से संविधान के रक्षक होने का संदेश देना चाहते हैं। वह महात्मा गांधी का आंदोलन और अंबेडकर के संविधान को साथ लेकर चलना चाहते हैं। वोट चोरी को मुद्दा बनाकर वह गांधी से अंबेडकर तक पदयात्रा करके अब यह मैसेज देना चाहते हैं कि वोट की चोरी को बचाकर वह लोकतंत्र को बचा रहे हैं और अंबेडकर के संविधान की रक्षा कर रहे हैं।

भीड़ कम होने का डरः सीनियर जर्नलिस्ट अरुण पांडे कहते हैं की राहुल इस वोटर अधिकार यात्रा में 1300 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वह अलग-अलग जिलों में गए हैं। ऐसे में अब जब पटना में रैली होगी तो उन्हीं जिलों से भीड़ को फिर से जुटा पाना संभव नहीं हो पाएगा। इससे रैली में भीड़ कम होने का डर है और अगर ऐसा हुआ तो नेगेटिव मैसेज जाएगा। प्रवीण बागी कहते हैं गांधी मैदान में रैलियों का इतिहास रहा है। यहीं से जेपी ने संपूर्ण क्रांति की शुरुआत की थी। इस रैली में जेपी की एक आवाज पर गांधी मैदान में पांच लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुट गई थी। वहीं, लालू यादव ने गांधी मैदान में 1994 से 2004 के बीच कई रोचक नामों वाली रैलियां की और खूब भीड़ जुटाई थी। इसमें गरीब रैला, महागरीब रैली, चेतावनी रैली शामिल है। ऐसे में अब जब राहुल गांधी यहां कोई रैली करते तो इसकी तुलना पिछली रैलियों में आए भीड़ से जरूर होती। ऐसे में अगर उतनी भीड़ नहीं जुटती तो राहुल उस तुलना में पिछड़ जाते।

भाजपा का प्रदर्शनः वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री को लेकर अपशब्द कहने का मामला तेज हो गया है। बीते दिनों कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर भिड़ंत हुई। भोजपुर में भी यात्रा के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए। ऐसे में अगर रैली होती तो बीजेपी के द्वारा बवाल होने के चांस रहते। हल्ला-हंगामा, नारेबाजी होती और महौल ख़राब होता।

संक्षिप्त समाचार

अनुमंडलीय अस्पताल के एम्बुलेंस चालक रहेंगे अनिश्चित कालीन हड़ताल पर

बीएनएम@ बगहा। बगहा एंबुलेंस कर्मी संघ के आह्वान पर अनुमंडलीय अस्पताल में संचालित एम्बुलेंस के चालक और ईएमटी सोमवार से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। इनके हड़ताल पर चले जाने से अस्पताल से रेफर मरीजों को दूसरे अस्पताल ले जाने की व्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। एम्बुलेंस चालकों के हड़ताल पर चले जाने से अस्पताल व्यवस्था पर पड़ने वाली असर से निजात को लेकर अस्पताल की तरफ से क्या वैकल्पिक व्यवस्था हुई है के बाबत अस्पताल प्रबंधक मो शाहनवाज से फोन पर सम्पर्क किया गया। तो फोन की घन्टी बजती रही, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। अस्पताल उपाधीक्षक डा.एके तिवारी ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर सीएस से मार्गदर्शन मांगा गया है। आदेश मिलने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जो भी उपाय होंगे किया जाएगा। बताते चले कि अस्पताल में 5 रोगी वाहन एवं एक शव वाहन है। चालक एवं ईएमटी के चले जाने पर उपरोक्त सभी एम्बुलेंसो का परिचालन ठप हो जाएगा। चालकों ने बताया कि मानदेय वृद्धि, आवास और अन्य मांगों को लेकर राज्य स्तरीय आह्वान है।

विभिन्न कांडों में जप्त शराब का हुआ विनिष्टिकरण

बीएनएम@ केसरिया। थाना परिसर में रविवार को विभिन्न मामलों में जप्त शराब को दंडाधिकारी की मौजूदगी में विनिष्ट किया गया। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि 16 कांडों में जप्त 401 लीटर विदेशी व 1026 लीटर देशी शराब को विनिष्ट किया गया।

मक्के के खेत से देशी रायफल पुलिस ने किया बरामद

बीएनएम@केसरिया। बिजधरी थाना क्षेत्र के सुन्दरापुर मुशहरी टोला स्थित मक्के की खेत से पुलिस ने देशी रायफल बरामद किया है। थानाध्यक्ष विकास आनंद ने बताया कि सूचना मिली कि सुन्दरापुर मुशहरी टोला स्थित मक्के की खेत में लावारिस हालत में देशी रायफल पड़ी है। जिसके बाद उक्त स्थल पर पहुंच रायफल को जप्त किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि रायफल मक्के की खेत में किसने रखी व किसकी है सहित अन्य बिंदुओं की जांच की जा रही है।

समाजसेवी जितेन्द्र जयसवाल के निधन से शुभचिंतकों में शोक की लहर

बीएनएम@ चकिया। नगर परिषद वार्ड तीन बरमदिया निवासी समाजसेवी जितेन्द्र प्रसाद जयसवाल के आकस्मिक निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर सुनकर उनके शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। वें 72 वर्ष के थे। पुत्र रौशन कुमार ने बताया कि वे कुछ दिन से बीमार थे व अचानक बेहोश हो गए आनन- फानन में उन्हें स्थानीय निजी अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सक ने जांचोपरांत मृत बता दिया। वें अपने पीछे पत्नी दो पुत्र,पोता पोती से भरा पूरा परिवार छोड़ गयें। शोक व्यक्त करने वालों में स्थानीय विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव नप सभापति पवन सर्राफ उपसभापति सुभाष कुमार पैक्स अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद जायसवाल,रौशन कुमार,अमित कुमार, सत्यनारायण प्रसाद, लालाबाबू प्रसाद,दिनेश प्रसाद,गगनदेव जयसवाल,भारत प्रसाद जायसवाल,दिलीप कुमार,प्रभात जायसवाल,दीपक कुमार,सुनील जायसवाल,संजय कुमार,प्रदीप कुमार, विक्की कुमार,गुड्डू कुमार,हर्ष राज,अक्स राज सहित अन्य शामिल है।

डम्फर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक गिरफ्तार

बीएनएम@ सिकरहना। ढाका थाना क्षेत्र के करसाहिया के समीप रविवार को सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना उस समय घटी जब एक तेज रफ्तार डम्फर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही ढाका थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान घोड़ासहन प्रखंड निवासी के रूप में की गई है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

पुलिस ने मौके से डम्फर और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वाहन को जब्त कर थाने लाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों का तेज रफ्तार से गुजरना आम बात हो गई है, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं घट रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क पर यातायात नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। मृतक के घर पर मातम पसरा हुआ है और परिवारजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मैराथन से लेकर कबड्डी, खो-खो और जूडो तक हुई विविध प्रतियोगिताएँ

बीएनएम@ मोतिहारी

खेल विभाग बिहार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। 29 अगस्त से 31 अगस्त तक स्थानीय खेल भवन, मोतिहारी में विभिन्न खेल गतिविधियों और शारीरिक फिटनेस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहले दिन 3000 मीटर की मैराथन दौड़ पुरुष और महिला वर्ग में आयोजित की गई। साथ ही जिले के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में खेल दिवस से संबंधित क्विज, संभाषण, पेंटिंग, स्ट्रेचिंग चैलेंज, स्पून रेस, साइकिल रेस, क्रिकेट, म्यूजिकल चेयर और पिट्टो जैसे देसी खेलों की प्रतियोगिताएँ हुईं। खेल भवन में कबड्डी, वुशु, थांग-टा, तलवारबाजी और जिम गतिविधियों का आयोजन भी हुआ। दूसरे दिन योग, खो-खो, बैडमिंटन तथा एथलेटिक्स की 60 मीटर, 100 मीटर दौड़, लंबी कूद और भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिताएँ हुईं। वहीं 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने विशेष उत्साह दिखाया। अंतिम दिन रस्साकशी और जूडो बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन इंडोर हॉल में हुआ। हालांकि भारी वर्षा के कारण "संडे ऑफ साइकिलिंग रेस" स्थगित करनी पड़ी। पूरे आयोजन की देखरेख जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार ने की। प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद राधामोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अनुमंडल पदाधिकारी श्वेता भारती और अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। समापन अवसर पर सभी खेलों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, तकनीकी अधिकारी और कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से अधेड़ की मौत, दो घायल

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के गोईठहा वार्ड संख्या 5 में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग झुलसकर घायल हो गए। मृतक की पहचान हीरा यादव, पिता महादेव यादव, के रूप में हुई है। बताया जाता है कि, हीरा यादव रोज की तरह दही बेचने के लिए घर से निकले थे। बारिश शुरू होने पर वे सारेह स्थित एक टूटी हुई झोपड़ी में शरण लेने रुके। तभी अचानक वहां वज्रपात हो गया। हादसे में हीरा यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि झोपड़ी के पास मौजूद दो लोग घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार कराया गया, जिसके बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलने पर अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी मौके पर पहुंच। उन्होंने मृतक के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया।सरकार से मिलने वाली सहायता परिवार को प्रदान की जाएगी। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया गया है।

समाजसेवी राजू पांडे बने किसानों की आवाज़, प्रशासन को दी कड़ी चेतावनी

हल्ला बोलः यूरिया संकट और कालाबाजारी के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

बीएनएम@ अरेराज

यूरिया की भारी किल्लत और कालाबाजारी से परेशान किसानों का गुस्सा रविवार को सड़कों पर फूट पड़ा। नाराज़ किसानों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। किसानों का कहना है कि धान और अन्य फसलें खाद की कमी से बर्बादी के कगार पर हैं। मजबूरी में उन्हें ऊंचे दामों पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है। इस आंदोलन का नेतृत्व समाजसेवी राजू पांडे ने किया। उन्होंने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, "यह सिर्फ किसानों की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे समाज की समस्या है। अगर समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुई तो खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा और इसका असर सीधे जनता की थाली पर पड़ेगा।" प्रदर्शनकारी किसानों ने यूरिया की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई। साथ ही कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की। आंदोलन के दौरान माहौल काफी उग्र रहा, लेकिन प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। स्थानीय ग्रामीणों में इस आंदोलन की खूब चर्चा है। उनका कहना है कि राजू पांडे ने किसानों की आवाज़ बुलंद कर यह साबित किया है कि वे सचमुच जमीनी नेता हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि गोविंदगंज के भविष्य के लिए वे नई उम्मीद बनकर उभरे हैं।

जय श्री राधे-राधे जय घोष के साथ मनाया गया राधा रानी जन्मोत्सव

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में जय श्री राधे, राधे-राधे जय घोष के साथ धूमधाम से भक्ति भाव के साथ लाडली राधा रानी का जन्मोत्सव राधा अष्टमी के रूप में मनाया गया। समय 12:00 बजे पुजारी सुधीर पांडे ने राम दरबार में राधा रानी के प्रति मूर्ति का फूलों से श्रृंगार का दर्शन कराया और आश्रम परिसर में राधे-राधे का जय घोष होने लगा उसके बाद आरती पूजन और भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त मौके पर आश्रम सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने उपस्थित भक्तों को बताया कि भगवान कृष्ण को जल्दी प्रसन्न करने के लिए राधा रानी का भक्ति करना बेहद जरूरी है। राधा अष्टमी का व्रत करने से राधा रानी के साथ भगवान श्री कृष्ण भी प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना को पूर्ण करते हैं। उन्होंने बताया कि कृष्ण की प्राण शक्ति है श्री राधा। अष्टमी का व्रत बेहद कल्याणकारी माना गया है, जो भक्त सच्चे मन से या व्रत रखता है उसके जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। वहीं अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर सुबह 10:00 बजे से सत्संग श्री रामचरितमानस पाठ और गुरु भाई राजकिशोर मिश्रा ने भजन के माध्यम से मेरी विनती यही है राधा रानी कृपा बरसाए रखना। राधे-राधे बोलो चले आएंगे बिहारी भजन गाकर भक्तों को झुमने पर मजबूर कर दिया। आश्रम की ओर से महाभंडारा का आयोजन किया गया। मौके पर सह सचिव राम भजन, कार्यक्रम संयोजक रंजन कुमार जयप्रकाश पांडेय, अशोक कुमार सिंह, संजय कुमार गुप्ता , राजीव कुमार, निहाल कुमार, शशि कुमार, उमेश शाह, चंद्रशेखर प्रसाद, पप्पू कुमार, संगीता देवी सहित अन्य भक्त लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध

बगहा उपसभापति सह जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा रश्मि रंजन के नेतृत्व में विरोध मार्च निकाला गया

बीएनएम@ बगहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में रविवार को बगहा नगर परिषद की उप सभापति सह जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बगहा रश्मि रंजन जी के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन निकाला गया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही रश्मि रंजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की माता जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी निंदनीय है और इसका हम सभी को विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी न केवल प्रधानमंत्री जी के प्रति अपमानजनक है, बल्कि यह पूरे देश के लिए भी अपमानजनक है। इन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन और मार्च के माध्यम से हमने अपना विरोध दर्ज कराया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हमने स्पष्ट किया कि इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इस अवसर पर उपस्थित सभी महिला और कार्यकर्ता साथियों ने एकजुटता का प्रदर्शन किया और अपना विरोध दर्ज कराया। हमने दिखाया कि हम एकजुट होकर अपने नेता और देश के सम्मान की रक्षा करेंगे।इस अवसर पर श्रीमती विमला देवी , श्री ओम निधि वत्स , एच एन दुबे , श्री शैलेश दुबे , श्री नागेंद्र साहनी सहित सैकड़ों महिला और कार्यकर्ता शामिल रहे।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से मां और बेटी घायल

बीएनएम@ कोटवा

कोटवा प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर वृत वार्ड नंबर 10 में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और एक बच्चा घायल हो गया है। घायल महिला मीनू देवी उम्र 25 वर्ष पति नितेश राम वही सुधांशु कुमार उम्र 2 वर्ष पिता नितेश राम बताया गया है।घटना के संबंध में जानकारी के अनुसार आकाशीय बिजली घर के ऊपर गिरा जिसमे दस इंच के दीवार पर गिरा जिसे ईंट टुकड़े टुकड़े होकर बिखर गया। वहीं पीड़िता के पड़ोसी के घर पर भी इसका असर पड़ है। शुक्र है कि उस परिवार वालों को कोई क्षति नहीं हुआ है। सूचना पर पहुंच कर डायल 112 टीम के अधिकारी बालिस्टर सिंह और चालक रूबास यादव द्वारा घायल दोनों को कोटवा पीएचसी पहुंचाया गया।कोटवा पीएचसी के डॉक्टर मुमताज आलम अंसारी बीसीएम मनीष कुमार द्वारा उपचार करने के बाद समुचित इलाज वास्ते मोतिहारी भेज दिया गया।

अनंत चतुर्दशी मेले की तैयारियों की समीक्षा, एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

आगामी अनंत चतुर्दशी मेले को लेकर अरेराज प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) अरुण कुमार ने रविवार को तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि अनंत चतुर्दशी के अवसर पर हजारों श्रद्धालु अरेराज पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने स्थलों पर मौजूद रहकर विधि-व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन पर विशेष नजर रखें। समीक्षा बैठक के बाद एसडीएम अरुण कुमार ने हरसिद्धि स्थित भादा पुल का निरीक्षण किया और मौके पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक सुधार और तैनाती संबंधी निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) रवि कुमार, अंचलाधिकारी उदय कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, थानाध्यक्ष विभा कुमारी ,एस.आई मनीष कुमार सहित कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

गंदे नाले में गिरने से डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत

शुक्रवार से लापता था बच्चा, नगर पंचायत पर परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

बीएनएम@ सुगौली

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या छह में दर्दनाक हादसा हो गया। बस स्टैंड चौक निवासी कृष्णा कुमार का डेढ़ वर्षीय पुत्र छोटू शुक्रवार से गायब था। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार को गंदे नाले में खोजबीन के दौरान मासूम का शव मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतीहारी सदर अस्पताल भेज दिया। मासूम की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया और पूरे मोहल्ले में मातमी सन्नाटा छा गया। परिजनों ने नगर पंचायत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। पिता कृष्णा कुमार का कहना है कि नाले की जर्जर स्थिति और उसमें ढक्कन न होने की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने नगर पंचायत के बड़ा बाबू प्रमोद कुमार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि शिकायत करने पर वह कार्रवाई करने के बजाय धमकी देते थे। स्थानीय लोगों ने भी नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सुरक्षा की व्यवस्था कर दी जाती तो मासूम की जान बच सकती थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

नरहवा दियारे में तेज हुआ कटाव, ग्रामीणों में भय एवं दहशत का माहौल

बीएनएम@ बगहाः गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के सिसई पंचायत के सोहागी बरवा एवं नरहवा दियारे में नदी का कटाव तेज हो गया है। इन दोनों दियारे में लगभग एक महीने से कटाव हो रहा है। लेकिन तीन दिन में नदी का कटाव काफी तेज हो गया है। अब तक लगभग तीन किमी की दूरी में किसानों के लगभग एक हजार एकड़ फसल सहित भूमि नदी में विलीन हो चुका है। 10 घर सहित भूमि भी नदी में विलीन हो चुका है। अब नदी की धारा धीरे-धीरे नैनाहा ढाला से सोहगी बरवा गांव तक जाने वाली मुख्य सड़क की तरफ बढ़ रही है। मुख्य सड़क से नदी की धारा की दूरी महज 50 मी का रह गया है। अगर मुख्य सड़क तक नदी की धारा पहुंच जाती है तो सोहगी बारवा गांव से संपर्क टूट जाएगा। जिसको लेकर दियारे के लोग काफी चिंतित है। सूचना के बाद रविवार की दोपहर मधुबनी सीओ नंदलाल राम कटाव स्थल पर पहुंचकर कटाव का जायजा लिया एवं किसानों को मुआवजा सहित नदी में विलीन हुए परिवार के लोगों को दूसरे जगह विस्थापित करने का आश्वासन दिया। सिसई पंचायत के मुखिया कृष्ण यादव एवं पूर्व मुखिया वीरेंद्र यादव ने बताया कि सोहगी बरवा एवं नरहवा दियारे के लोगों का लगभग 1000 एकड़ से अधिक गन्ने का फसल सहित भूमि नदी में विलीन हो गया है। वही नरहवा दियारे के 10 लोगों का घर सहित भूमि नदी में मिल चुका है। कटाव के रोकथाम के लिए जल संसाधन विभाग के अधिकारी सहित स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंची एवं कई बार जायजा भी लिया गया। लेकिन अब तक कटाव के रोकथाम के लिए कोई उपाय नहीं किया गया। लोगों ने मधुबनी सीओ से नदी में विलीन हुए किसानों की फसल का मुआवजा दिलाने का मांग किया है। वही इस संबंध में सीओ ने बताया कि नदी में विलीन हुए किसानों के गन्ने के फसल का मुआवजा के लिए जिला कृषि पदाधिकारी सहित प्रखंड कृषि पदाधिकारी को अवगत करा दिया गया है। नदी के कटाव के संबंध में जल संसाधन विभाग के अधिकारी सहित वरीय पदाधिकारी को सूचित कर दिया गया है।

मन शुद्ध,वाणी मधुर और व्यवहार विनम्र के संगम हैं डॉ रमण मिश्र - पूर्व प्राचार्य

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने बताया कि मेरे कुल गुरु डॉ रमण मिश्र महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में व्याकरण- अनुषंगी तथा स्वामी सहजानंद संग्रहालय के संयोजक संबंधी दायित्वों का निर्विवाद रूप से निर्वहन करते हुए 29 अगस्त को अपनी सेवा साधना से निवृत्त हो गए।प्रकृति से पर्यावरण प्रेमी होने के कारण अपने परिसर को हरा भरा रखने में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। आप संस्कृत साहित्य के ग्रंथ अथवा निरुक्त(निर्वचन), संबंधी प्रश्न सभी के अच्छे अध्येता हैं हिंदी में ख्यात नाम वाले निबंधकार कथाकार सभी के दुर्लभ पत्र का संग्रह आपने किया है।जीवन में परिस्थितियां चाहे जैसी हों प्रसन्नचित्त रहना और छल कपट से दूर रहना सच्ची साधुता है लोभ और क्रोध पर विजय पाना मानसिक संतुलन की सबसे बड़ी कसौटी है। ऊंचे पद और बड़ी उपलब्धियां के बाद भी जो व्यक्ति अहंकार मुक्त रहे और विनम्र बना रहे वही सादगी का सच्चा प्रतीक है। आपकी मधुर वाणी ,विनम्र व्यवहार वास्तविक अर्थों में असाधारण व्यक्तित्व का प्रतीक है। आपकी साधारण जीवन शैली समाज के लिए प्रेरणादाई है।

एम्बुलेंस कर्मचारियों का अनिश्चित कालीन हड़ताल आज से शुरू

बीएनएम@ जमुई /झाझा। तीन सूत्री मांगों को लेकर आज (सोमवार) से बिहार राज्य 102 एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के राज्यव्यापी हड़ताल के समर्थन में जमुई जिला 102 एम्बुलेंस कर्मचारी हड़ताल पर रहने का निर्णय लिया है। इसको लेकर 102 एम्बुलेंस कर्मचारी संघ जमुई के अध्यक्ष राजीव कुमार सहित अन्य चालक व ईएमटी की ओर से जिलाधिकारी , सीएस, श्रम अधीक्षक, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र भेजकर सूचना दी गई। तीन सूत्री मांगों को लेकर अध्यक्ष के कथनानुसार श्रम अधिनियम के तहत वेतन एवं अन्य सुविधा दिया जाए एवं अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त भुगतान किया जाए, प्रत्येक माह का वेतन का समय निर्धारित किया जाए साथ ही सभी कर्मचारी का वेतन पर्ची प्रत्येक माह दिया जाए, गाड़ी खराब होने पर समय पर मरम्मत करवाया जाए एवं गाड़ी खराब अवधि में कर्मचारी का वेतन नही काटा जाए। अध्यक्ष ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति शेखपुरा, पटना एवं चिकित्सा हेल्थ केयर लिमिटेड मुंबई के साथ एकरारनामा पूरे बिहार में 102 एम्बुलेंस संचालन के लिए किया गया जो संस्था 1 नवंबर 2024 से कार्य कर रही है और हम सभी कर्मचारी संस्था के हर नियम का पालन भी कर रहे है लेकिन संस्था के द्वारा कर्मचारियों के लिए एकरारनामा में लिखे श्रम अधिनियम के कानून का पालन नही किया जा रहा है जिसके कारण 102 एम्बुलेंस कर्मचारी सोमवार से अनिश्चित कालीन हड़ताल का निर्णय लिया है।

बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण में दावे-आपत्तियों की बाढ़

बीएनएम@ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान ने जोर पकड़ लिया है। निर्वाचन आयोग की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि अब तक 2,27,636 दावे और आपत्तियां सामने आई हैं। इनमें 29,872 आवेदन नए नाम जोड़ने के लिए जबकि 1,97,764 आवेदन नाम हटाने के लिए दर्ज किए गए हैं।आयोग के अनुसार पिछले सात दिनों में 33,771 आवेदनों का निपटारा किया जा चुका है। सबसे दिलचस्प आंकड़ा नए युवा मतदाताओं से जुड़ा है। अगस्त महीने में ही 13,33,793 युवाओं ने फॉर्म-6 भरकर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया है। अगर सभी आवेदन मंजूर होते हैं, तो इस साल करीब 13 लाख नए वोटर चुनावी प्रक्रिया से जुड़ जाएंगे। सिर्फ एक हफ्ते में 61,248 नए युवाओं के आवेदन निपटाए भी जा चुके हैं।इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की भूमिका भी अहम रही है। आयोग की रिपोर्ट बताती है कि राज्य के 12 राजनीतिक दलों के कुल 1,60,813 बूथ लेवल एजेंट्स (BLA) मतदाताओं की मदद कर रहे हैं। इनमें सीपीआई (एमएल) सबसे सक्रिय रही, जिसने 118 दावे और आपत्तियां दाखिल कीं। इसमें 15 नए नाम जोड़ने और 103 नाम हटाने की मांग शामिल थी। इसके मुकाबले आरजेडी एजेंट्स ने अब तक सिर्फ 10 फॉर्म जमा किए हैं।विशेष गहन पुनरीक्षण का मकसद मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। पहले चरण में ही 65 लाख से अधिक डुप्लिकेट और अवैध प्रविष्टियां हटाई जा चुकी हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी, जो आगामी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

शराब जब्त, धंधेबाज फरार

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला के नदी थाना पुलिस ने शनिवार की देर शाम नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद के नेतृत्व में दियारा क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर 190 लीटर अंग्रेजी शराब को जब्त किया है। शराब की इस बड़ी खेप को शराब धंधेबाज यूपी से दियारा क्षेत्र के मदरहवा दियारे के रास्ते अन्य जगहों पर पहुंचाने के फिराक में थे। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर नदी थाना कि पुलिस में थाना क्षेत्र के मदरहवा दियारे से शराब की बड़ी खेर को जप्त किया। लेकिन शराब तस्कर दियारे में लगे गन्ने की फसल का लाभ उठाकर भाग निकले। लेकिन पुलिस तस्करों को चिन्हित करने में जुटी हुई है। नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मदरहवा दियारे में छापेमारी की गई। जहां तस्कर यूपी से पांच बोरी में भरकर कुल 190 लीटर अंग्रेजी शराब लेकर आ रहे थे। लेकिन जब पुलिस शराब तस्करों को पकड़ना चाही तो शराब तस्कर शराब से भरी बोरी को छोड़ गन्ने का लाभ उठा कर भाग निकले। हालाकि पुलिस टीम तस्करों को पकड़ने की लिए गन्ने में भी छापेमारी अभियान चलाया। लेकिन शराब तस्कर भागने में सफल रहे। इस अभियान में नदी थाना के एस आई राजकुमार सिंह सहित पुलिस जवान शामिल थे।

आज से बदल गए कई नियमः आईटीआर, आधार, पेंशन, क्रेडिट कार्ड और एलपीजी पर सीधा असर

बीएनएम@ पटना

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम लोगों की ज़िंदगी से जुड़े कई अहम नियम बदल गए हैं। इन बदलावों का सीधा असर आपकी जेब और रोज़मर्रा के फैसलों पर पड़ेगा। आयकर रिटर्न (ITR) की अंतिम तारीख से लेकर आधार अपडेट, पेंशन योजना, बैंक FD, क्रेडिट कार्ड के नियम और LPG सिलेंडर की कीमतों तक—हर बदलाव जानना आपके लिए ज़रूरी है।

ITR और आधार कार्ड अपडेट की अंतिम तारीख

- **ITR लेट फाइलिंगः** अगर आपने अभी तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है, तो 30 सितंबर 2025 इसकी अंतिम तारीख है। इस तारीख के बाद रिटर्न फाइल करने पर आपको लेट फीस और ब्याज देना होगा।
- **आधार अपडेटः** भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने मुफ्त आधार अपडेट की सुविधा 14 सितंबर 2025 तक बढ़ा दी है। इसके बाद अगर आपको अपने नाम, जन्मतिथि, पता या मोबाइल नंबर में सुधार करवाना होगा, तो इसके लिए शुल्क देना पड़ेगा।

पेंशन और हॉलमार्किंग के नए नियम

- **पेंशन योजना में बदलावः** केंद्र सरकार ने पेंशनधारकों को एक बड़ी सुविधा दी है। वे अब राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) से यूनिवर्सल पेंशन स्कीम (UPS) में ट्रांसफर हो सकते हैं। इसकी अंतिम तारीख भी 30 सितंबर 2025 है।
- **चांदी की हॉलमार्किंगः** 1 सितंबर से चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग शुरू हो गई है। यह नियम अभी अनिवार्य नहीं किया गया है, लेकिन अब आप हॉलमार्क वाली चांदी के गहने खरीद सकते हैं, जिससे उनकी शुद्धता की गारंटी मिलेगी।

बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड से जुड़े बदलाव

- **स्पेशल FD स्कीमः** इंडियन बैंक और IDBI बैंक जैसी संस्थाओं ने विशेष फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) योजनाएं पेश की हैं, जिन पर सामान्य से ज्यादा ब्याज दर मिल रही है। इन योजनाओं का लाभ आप सिर्फ सितंबर महीने तक ही उठा सकते हैं।
- **SBI क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्सः** अगर आप SBI क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो रिवॉर्ड पॉइंट्स के नियमों में बड़ा बदलाव हुआ है। अब डिजिटल गेमिंग, सरकारी वेबसाइटों और कुछ चुनिंदा मर्चेंट्स पर खर्च करने पर आपको रिवॉर्ड पॉइंट्स नहीं मिलेंगे।

डाक सेवाएं और LPG सिलेंडर की कीमतें

- **इंडिया पोस्ट की नई व्यवस्थाः** 1 सितंबर से इंडिया पोस्ट ने अपनी सेवाओं में बदलाव करते हुए रजिस्टर्ड पोस्ट को स्पीड पोस्ट में मिला दिया है। अब सभी मेल स्पीड पोस्ट के ज़रिए ही भेजे जाएंगे, जिससे डिलीवरी तेज़ी से होगी।
- **LPG गैस सिलेंडर की कीमतः** हर महीने की पहली तारीख को LPG सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होता है। इस महीने भी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाज़ार के आधार पर घरेलू LPG सिलेंडर के दाम तय किए हैं। इसका असर सीधे आपके घर के बजट पर पड़ेगा। इन सभी बदलावों के बारे में जागरूक रहना ज़रूरी है ताकि आप समय पर अपने ज़रूरी काम निपटा सकें और किसी भी तरह के आर्थिक नुकसान से बच सकें।

काली मंदिर के प्रांगण में अष्टयाम संकीर्तन का हुआ आयोजन

बीएनएम@ जमुई /झाझा

नगर परिषद क्षेत्र अंतगर्त सोहजाना स्थित काली मंदिर के प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अष्टयाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। अष्टयाम संकीर्तन का आयोजन ग्रामीणों द्वारा आपसी अर्थदान के द्वारा किया गया। कीर्तन मंडली द्वारा प्रस्तुत हरे राम हरे राम हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे की धुन से ग्रामीण क्षेत्रों का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मौके पर पंडितों ने बताया कि अष्टयाम एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट धार्मिक अनुष्ठान है जिसका हिंदू धर्म और विशेष रूप से वैदिक और भक्ति परंपराओं में अत्यधिक महत्व है। यह अनुष्ठान भगवान के निरंतर स्मरण संकीर्तन और साधना का एक विशेष माध्यम है । जिससे श्रद्धालु अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न करते हैं । आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सोहजाना स्थित मां काली मंदिर में वार्षिक पूजा को लेकर पूर्व से 24 घंटे के अष्टयाम संकीर्तन की परंपरा पूर्व से चली आ रही है। मां काली की वार्षिक पूजा मंगलवार को की जाएगी। अष्टयाम संकीर्तन को लेकर आयोजन समिति की ओर से 24 घंटे का अष्टयाम का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि अष्टयाम संकीर्तन को लेकर ग्रामीण लोगों की भूमिका सराहनीय रहा। युवाओं ने मंदिर परिसर को साफ-सफाई कर सजाया है। ग्रामीणों ने बताया कि हर वर्ष हर्षोल्लास से अष्टयाम स कीर्तन का आयोजन करते हैं जिससे कि गांव में एकता, समरसता, भाईचारा बना रहे और घरों में सुख, शांति और समृद्धि आए।

जमुई में पूजा अर्चना करतेश्रद्धालु

नौतन में भाजपा कार्यकर्ताओं का विरोध मार्च

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया : नौतन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के अपमान को लेकर रविवार को नौतन प्रखंड मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और झंडे लेकर रैली निकाली और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस विरोध मार्च में स्थानीय विधायक नारायण प्रसाद भी शामिल हुए और उन्होंने काहा की भारतीय संस्कृति और मर्यादा पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मां का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की वे ऐसे असामाजिक तत्वों से सावधान रहें जो समाज में जहर घोलने का काम कर रहे हैं। विरोध रैली में ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह क्षेत्रीय प्रभारी बेतिया व गोपालगंज नीरज कुमार उर्फ बबलू ने काहा की राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं के द्वारा अपमानित किया गया था उसके खिलाफ में कार्रवाई की मांग की जा रही है और कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा सड़क पर उतरकर आंदोलन पर उतारू होगा। विरोध रैली में सुरेश चौधरी, अवधकिशोर सिंह, छोटेलाल कुशवाहा, देवी दयाल प्रसाद, अजय सोनी, रामबाबू चौधरी, आशिष कुशवाहा अशर्फी पंडित, राकेश चौधरी, संदीप कुमार, गोविंद कुमार अनिल कुशवाहा समेत महिलाएं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि यह केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि पूरे देश का अपमान है। रैली प्रखंड मुख्यालय से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए नौतन थाना चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान वातावरण देशभक्ति नारों से गूंज उठा। नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि इस अमर्यादित बयानबाजी के लिए जिम्मेदार लोगों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विरोध प्रदर्शन करते भाजपा के नेता व कार्यकर्ता

तीन दिन में पूरा करें पक्की फुलवारी मोहल्ला के नाले का जारी पक्का निर्माणः गरिमा

पक्की फुलवारी मोहल्ला में पुनः जल निकासी बाधित होने की शिकायत पर पहुंचीं महापौर

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया। वर्षों से जल जमाव की सांसत झेलते रहे नगर के पक्की फुलवारी मोहल्ला में पुनःजल निकासी बाधित होने की शिकायत मिलने पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया मुहल्ले में पहुंचीं। मौके पर पहुंच कर महापौर ने पाया कि कुछेक निजी प्लॉट से होकर एनएच 727 तक के पुराने कच्चा नाला को पक्का बनाने का कार्य जारी है। इसी निर्माण कार्य को लेकर जल निकासी व्यवस्था को टेंपरी तौर पर रोकना पड़ा है। इसको लेकर महापौर सिकारिया पक्का नाला निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने परेशान परिवारों को बताया कि पक्का निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अस्थाई तौर पर बांध बना कर पानी को रोका गया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि तीन से चार दिन में पक्का नाला बनाने का जारी कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।इसी क्रम में महापौर सिकारिया ने बताया उनकी महीनों की पहल और नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी जी के प्रयास के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से दशकों से बह रहे इस पुराने इस कच्चे नाले का पक्कीकरण किया जाना संभव हो पाया है। बस्ती के बीच आरसीसी पक्का बनाने का कार्य मौसम अनुकूल रहने पर तीन दिन में पूरा करने का निर्देश उनके द्वारा जारी किया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि कच्चा नाला को पक्का बनाने का विरोध कतिपय लोगों द्वारा वर्षों से किया जा रहा था। लेकिन इस नाला के दशकों पुराना होने का साक्ष्य महापौर गरिमा देवी सिकारिया द्वारा नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी को सौंपने और कार्रवाई के निर्णय के बाद नगर आयुक्त श्री तिवारी ने बिहार नगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए प्लॉटरों को नाले का पक्कीकरण के लिए सहमत बनाने के आधार पर पक्का नाला का निर्माण कराया जा रहा है। इस नाले के निर्माण के पूरा हो जाने के बाद पक्की फुलवारी के लोगों को जल जमाव से काफी हद तक राहत मिलेगी।

बेतिया घटना स्थल पर जांच करती महापौर

साइकिल यात्रा से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम@ जमुई/बरहट

रविवार को श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम परिसर से एक दर्जन साइकिल यात्रियों का कारवां रवाना हुआ। यह यात्रा खैरमा, मलयपुर होते हुए लकरा ग्राम पहुंची। इस दौरान पौधा संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।यात्रा का नेतृत्व कर रहे अमर कुमार ने कहा कि अब जबकि मानसून अवधि समाप्त हो चुकी है, ऐसे समय में लगाए गए पौधों का संरक्षण सबसे अहम जिम्मेदारी है। तभी पौधे सही ढंग से विकसित हो पाएंगे।सदस्य शैलेश भारद्वाज और कुंदन कुमार यादव ने कहा कि पेड़-पौधों, जल, वायु, भूमि और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। सदस्य राहुल राठौर और सीपू परिहार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल कार्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बने। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन देना कठिन हो जाएगा। इस अवसर पर शांतनु सिंह, सन्नी बघेल, मुरारी पासवान, जितेंद्र पासवान, मोनू पटेल, सत्यम पटेल, विजय राज, विवेक कुमार, सचिराज पद्माकर, हर्ष कुमार सिंह समेत कई युवा उपस्थित रहे।

जनता महादलित संघ की जिलास्तरीय बैठक संपन्न

बीएनएम@ जमुई

जनता महादलित संघ की जिला स्तरीय बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष विकास गौरव के आवास पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं जिलाध्यक्ष ने की। बैठक को संबोधित करते हुए विकास गौरव ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में संघ के प्रखंड अध्यक्षों का मनोनयन कर दिया गया है। सभी प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे 10 दिनों के अंदर अपनी प्रखंड कमिटी का गठन कर उसकी सूची जिला कमिटी को सौंपें। बैठक में प्रधान जिला उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी रविराज कुमार ने जानकारी दी कि आगामी 7 सितम्बर को जिला कमिटी एवं सभी प्रखंड अध्यक्षों की संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी। वहीं, जिला संगठन मंत्री रितेश कुमार ने कहा कि जनता महादलित संघ का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को बुलंद करना है।जिला महासचिव अर्जुन रविदास ने स्पष्ट किया कि संघ किसी भी राजनीतिक दल की विचारधारा पर नहीं चलता, बल्कि अपनी स्वतंत्र विचारधारा पर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को संगठित करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। बैठक में जिला प्रधान उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी रविराज कुमार, जिला प्रधान महासचिव सह कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, जिला महासचिव अर्जुन रविदास, जिला सचिव सकलदेव दास और खैरा प्रखंड अध्यक्ष तपस दास सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीएसटी दर कम करने को लेकर डिप्टी सीएम को भेजा मांगपत्र

बीएनएम@ जमुई /झाझा

रविवार को बिहार प्रदेश बीड़ी मजदूर संघ की ओर से रेलवे कॉलोनी स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में बैठक की गई। जिसमें बीड़ी श्रमिकों के हित को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम को मांग पत्र भेजा गया। प्रदेश महामंत्री ने बताया कि बीड़ी उद्योग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने से इस उद्योग पर गहरा असर पड़ा है जिससे बीड़ी उद्योग पर खतरा बना हुआ है और उससे बीड़ी मजदूरों के सामने चिंता खड़ी कर दी है। प्रदेश महामंत्री ने आगे बताया कि भारतीय मजदूर संघ बिहार सरकार एवं केंद्र सरकार से भी मांग किया है कि बीड़ी उद्योग पर भारी भरकम लगने वाले जीएसटी को कम किया जाये।संघ के प्रदेश महामंत्री परमेश्वर प्रसाद यादव ने बताया कि बीड़ी पर जीएसटी के सम्बंध में मांग पत्र में जिक्र किया गया जिसमें बताया गया कि भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई बिहार प्रदेश बीड़ी मजदूर संघ द्वारा यह मांग किया गया कि बीड़ी पर 28 प्रतिशत जीएसटी हटाकर 5 प्रतिशत जीएसटी किया जाए। बिहार में 15 लाख बीड़ी मजदूर बीड़ी उद्योग पर निर्भर है, यह उद्योग भारत के सबसे पुराने पारंपरिक कुटीर उद्योग में से एक है जो पूरी तरह से शारिरिक श्रम पर आधारित होता है। बैठक में बीएमएस जिला मंत्री अधिक सिंह, उपेंद्र ठाकुर,जिलाध्यक्ष अंजू कुमारी, सुरेंद्र कुमार सहित संघ के अन्य सदस्य शामिल थे।

जमुई में बैठक करते बीएमएस के पदाधिकारी

राजस्व क्षति कौन वहन करेगा?

जीएसटी की 28 और 12 प्रतिशत की दरें खत्म करने से 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति होगी। इस नुकसान को कौन वहन करेगा? क्या इसे राज्यों को भी साझा करना होगा? अथवा, केंद्र उन्हें मुआवजा देगा? अब साफ है कि बिना प्रक्रियाओं को पूरा किए प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे में परिवर्तन की घोषणा कर दी। घोषणा के पहले इस बारे में आम सहमति बनाने के किसी प्रयास का संकेत भी नहीं है। अब चूंकि नरेंद्र मोदी दिवाली का ये उपहार देने का एलान कर चुके हैं, तो उसे साकार करने की भाग-दौड़ मची है। गुजरे हफ्ते जीएसटी से संबंधित मंत्रियों के समूह ने इस कर व्यवस्था के तहत सिर्फ दो दरें (पांच और 18 प्रतिशत) रखने की सिफारिश को मंजूरी दी। ये अनुशंसा जीएसटी काउंसिल को भेजी गई है। काउंसिल की बैठक 3-4 सितंबर को बुलाई गई है। उसमें निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। मगर इस बीच कई सवाल हैं। वित्तीय अखबारों के आकलन के मुताबिक 28 और 12 प्रतिशत की दरें खत्म करने से 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति होगी। इस नुकसान को कौन वहन करेगा? क्या इसमें उन राज्य सरकारों को भी साझा करना होगा, जिनकी पहले से सहमति प्राप्त नहीं की गई? अथवा, राज्य सरकारों के नुकसान की क्षतिपूर्ति केंद्र करेगा? केंद्र का 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.8 प्रतिशत के बराबर रहा था। अधिकांश राज्य भी भारी घाटे में हैं। प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की लोक-लुभावन योजनाओं ने पहले ही उन्हें वित्तीय संकट में डाल रखा है। ऐसे में मुख्य प्रश्न है कि कुल घाटे को भरने का क्या तरीका केंद्र सुझाएगा? इस सिलसिले में यह भी उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री पर लगाए जा रहे प्रतिबंध से राजकोष को तकरीबन 20,000 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। इन तथ्यों को जीएसटी के मौजूदा ढांचे को बनाए रखने के पक्ष में दलील के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जीएसटी को सरल करने की जरूरत है। बल्कि बेहतर तो यह होगा कि पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क के बोझ से भी लोगों को राहत दी जाए। मगर साथ ही राजस्व का प्रश्न है। इस पर स्पष्टता के अभाव में आशंका पैदा होती है कि कहीं एक तरफ राहत देकर दूसरी तरफ आम लोगों से ही सरकार वसूली तो नहीं करने लगेगी!

उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-बच्चों के भविष्य की गारंटी : अन्य राज्यों के लिए है सबक

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

उत्तराखण्ड की धामी सरकार ने हाल ही में विधानसभा से 'उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025' पारित कर एक ऐसा कदम उठाया है, जिसकी गूंज केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था और अल्पसंख्यक अधिकारों की बहस को नई दिशा देती हुई दिखाई दे रही है। ये सबक है अन्य राज्यों के लिए जो इच्छा शक्ति के अभाव में अपने के सभी बच्चों के हित में इस तरह के प्रभावी निर्णय लेने से बचते आए हैं। दरअसल, यह विधेयक केवल मुस्लिम मदरसों तक सीमित न रहकर सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों के शैक्षणिक संस्थानों को भी अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करता है। अब तक की स्थिति में अल्पसंख्यक शिक्षा का दायरा संकुचित था और उसका लाभ लगभग एक ही समुदाय (मुस्लिम) तक सीमित होकर रह गया था, किंतु धामी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा के क्षेत्र में समानता, पारदर्शिता और अवसर की भावना स्थापित होना बहुत जरूरी है, यह राज्य के सभी बच्चों के हित में है।

देश भर की सच्चाई : अधिकार और वास्तविकता का अंतर- भारतीय संविधान ने भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार तो दिया है, लेकिन व्यावहारिक रूप से राज्यों ने इस अधिकार को पूरी तरह से संतुलित ढंग से लागू अब तक नहीं किया जा सका है। देखने में यही आता है कि मदरसा अधिनियम अधिकांश राज्यों में बने, किंतु सिख, ईसाई, जैन या बौद्ध जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय अपने संस्थानों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करते रहे। उनके पास न तो स्पष्ट वैधानिक मंच था और न ही अनुदान या मान्यता की प्रक्रिया में पारदर्शिता। परिणाम स्वरूप अल्पसंख्यक के नाम पर जो भी हो रहा है, वह अधिकांशतः एक रिलीजन तक ही सीमित होकर रह गया। ऐसे में उत्तराखण्ड का यह विधेयक इसी विसंगति को दूर करता है। इसके माध्यम से पहली बार सभी अल्पसंख्यक संस्थान एक समान छतरी तले आएंगे। अब न केवल मदरसों को बल्कि गुरुद्वारों के अधीन चल रहे विद्यालयों, ईसाई मिशनरी स्कूलों, जैन और बौद्ध समाज के संस्थानों को भी वह अधिकार प्राप्त होगा जो अब तक केवल मुस्लिम संस्थानों तक सीमित था। यह व्यापक दृष्टि अपने आप में स्वागत योग्य है क्योंकि लोकतंत्र की असली खूबसूरती तब ही दिखती है जब सबको समान अवसर मिले।

हो गया पुराने अधिनियमों का अंत- इस विधेयक के लागू होने के बाद "उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2016" और "अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम 2019" को खत्म कर दिया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा की मान्यता अब किसी एक समुदाय विशेष के अधीन नहीं होगी, बल्कि सबके लिए समान रूप से उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण जिम्मेदार होगा। यह प्राधिकरण संस्थानों को मान्यता देने, उनके वित्तीय लेन-देन पर निगरानी रखने, और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का काम करेगा। यहां यह भी तय किया गया है कि संस्थानों को सोसायटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के तहत विधिवत पंजीकृत होना आवश्यक होगा और उनकी जमीन-जायदाद, बैंक खाते आदि संस्थान के नाम पर दर्ज होंगे। स्वभाविक है कि इस प्रक्रिया के पालन से व्यवस्था में सुधार होगा, संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

इसलिए जरूरत पड़ी, ये कदम उठाने की- धामी सरकार ने यह कदम यूं ही नहीं उठाया है। पिछले कुछ वर्षों में मदरसा शिक्षा से जुड़े कई गंभीर प्रश्न सामने आए। छात्रवृत्ति वितरण में गड़बड़ियां, मिड-डे मील

में अनियमितताएं, वित्तीय पारदर्शिता की कमी और यहां तक कि अवैध मदरसों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग व आतंकवाद फंडिंग की आशंकाएं लगातार सामने आती रहीं। राज्य में लगभग 450 मदरसे आधिकारिक रूप से पंजीकृत हैं, किंतु 500 से अधिक मदरसों के अवैध संचालन की रिपोर्ट सामने आई। तब दिसंबर 2024 में सरकार ने इन पर बड़ी कार्रवाई की और करीब 200 अवैध मदरसे बंद कराए। सवाल उठा कि यदि मदरसा बोर्ड सही ढंग से काम कर रहा होता तो ये अनियमितताएं कैसे होतीं? फिर भी धामी सरकार ने मदरसा बोर्ड को सुधार का एक लम्बा वक्त दिया, लेकिन जब देखा कि बोर्ड की मान्यता समिति 2020 से बैठक तक न कर पाई हो, तो उसकी निष्क्रियता स्पष्ट अब पूरी तरह से स्पष्ट हो गई। यही कारण है कि सरकार ने निर्णय लिया कि अब शिक्षा व्यवस्था को समुदाय विशेष की संकीर्ण चौखट से बाहर निकालकर व्यापक और समावेशी रूप दिया जाए। नया विधेयक उसी सोच का परिणाम है। अब शिक्षा का केंद्र बच्चे होंगे, न कि कोई खास धार्मिक पहचान। पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा ने 20 अगस्त को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान विधेयक 2025 पारित कर दिया। यह विधेयक राज्य में सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ मदरसों को भी अल्पसंख्यक दर्जे का लाभ प्रदान करेगा। सभी अल्पसंख्यक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, यही इसका उद्देश्य है। बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन उत्तराखण्ड बोर्ड के मानकों के आधार पर होगा और कोई भी संस्थान पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकेगा। यदि वित्तीय अनियमितता या सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द के विरुद्ध गतिविधियां पाई गईं तो मान्यता वापस ली जा सकेगी। मुख्यमंत्री धामी कहते हैं, "केन्द्रीय छात्रवृत्ति के वितरण में अनियमितता, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में विसंगतियां और प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर मुद्दे मदरसा शिक्षा प्रणाली में वर्षों से स्पष्ट रहे हैं।" धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ, इस विधेयक का उद्देश्य भाषाई अल्पसंख्यकों को भी शामिल करना है। अब उत्तराखंड में गुरुमुखी और पाली भाषाओं के अध्ययन को भी आधिकारिक मान्यता मिल जाएगी। विधेयक यह भी सुनिश्चित करता है कि अल्पसंख्यक संस्थानों को शुल्क, दान, अनुदान या किसी अन्य प्रकार से प्राप्त धनराशि का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा, "सभी अल्पसंख्यक समुदायों के अपने संस्थान होने चाहिए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।" किसी भी प्रकार की हेराफेरी से मान्यता समाप्त हो सकती है। इन संस्थानों की निगरानी के लिए उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। संस्थानों को कुछ शर्तें पूरी करने के बाद प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त करनी होगी। इसके साथ ही विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धार्मिक शिक्षा पर कोई रोक नहीं होगी। संस्थानों को अपने धार्मिक पाठ्यक्रम पढ़ाने की स्वतंत्रता होगी, बशर्ते वे राज्य शिक्षा बोर्ड के निर्धारित मानकों का पालन करें और बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से न काटें। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष तक ने इस कानून का स्वागत किया है और कहा है कि इससे मुस्लिम बच्चों को भी अवसर मिलेगा कि वे आईएएस, आईपीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ें।

उत्तराखण्ड की साहसिक पहल- असल में यह विधेयक उस सोच का विस्तार है जिसे धामी सरकार ने पिछले वर्षों में लागू किया। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बना, धर्मांतरण विरोधी कानून को मजबूत किया गया और फर्जी साधुओं के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि चलाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में नया विधेयक उसी सिलसिले की एक कड़ी है।

इस पहल को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी देखने की जरूरत- इस कदम को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए केंद्र सरकार का वित्तीय सहयोग लगातार घट रहा है। योजनाएं पुनर्गठित हुई, लेकिन मदरसों के लिए धनराशि 2014-15 में 194 करोड़ से घटकर 2024-25 में मात्र कुछ लाख तक सिमट गई।

न्यूयॉर्क बनने का सपना देखता मुंबई

श्रुति व्यास

कुछ दिनों से मैं मुंबई में हूँ। यह महानगर उभरते भारत की झिलमिलाहट बतलाता हुआ है। काँच की इमारतें मानसून के आसमान को छूती हैं। नया कोस्टल रोड अरब सागर पर किसी रिबन की तरह खुलता चला जाता है। यह वही शहर है जो न्यूयॉर्क बनने का सपना देखता है। तभी लगातार निर्माणाधीन स्काइलाइन, वॉल स्ट्रीट के ब्रोकरों जैसी दौड़-भाग, ब्रॉडवे जितने चमकीले फिल्म सितारे, और वे कैफ़े, जहाँ स्टार्टअप की बातें गूँजती रहती हैं। मुंबई उस वैश्विक चमक को छूना चाहती है और वह न कभी सोता है और न थमता है। हमेशा भागता है, हमेशा ऊपर उठने को तत्पर। फिर भी, चमक फीकी-सी लगी। शायद एक वजह लगातार बरसात थी। लगातार भारी बादल, चिपचिपी नमी जो देह से चिपकी रहती है, वे गड्ढे जो पूरी गाड़ियों को खचरा बना देते हैं, या फिर वह ट्रैफ़िक जो शहर की साँस रोक देता है। लेकिन बारिश और मौसम के नखरे तो न्यूयॉर्क भी जानता है। वहाँ की चमक इतनी आसानी से नहीं छिलती। यहाँ तक कि जब ट्रंप व्हाइट हाउस में लौटकर वॉल स्ट्रीट को टैरिफ़ युद्ध और व्यापारिक धमकियों से हिलाते हैं, तब भी न्यूयॉर्क अपनी चमक नहीं खोता। उसका स्काइलाइन लगातार दमकता है, उसकी धुन अब भी कायम है। मुंबई, इसके उलट, कहीं ज़्यादा नाज़ुक लगा।ह—मानो पहली बारिश ही इसके ग्लैमर को बहा ले गई हो। दरअसल उसकी चमक को अनिश्चितताओं का बोझ धो डाल रहा है। आज का भारत भी ऐसे ही एक बड़े बादल से ढका हुआ है—अनिश्चितता, जो अब इस देश का नया मौसम बन गई है। यह बिना चेतावनी आता है, अंतहीन टिकता है, और बाकी हर मौसम को अपने रंग में ढाल देता है। मानसून, जो कभी राहत लाता था, अब ख़तरे की आहट है। उत्तराखंड से हिमाचल, कश्मीर तक—बादल फटने की खबरें बिना रुके आती हैं, नदियाँ राक्षसों की तरह उफनती हैं, कीचड़-पानी घरों और उम्मीदों दोनों को बहा ले जाता है। जिन देवताओं को हमने लंबे समय तक हल्के में लिया था, वे अब हिसाब वसूल रहे हैं। न्यूयॉर्क भी तूफ़ानों को जानता है—सबवे में पानी भरने वाले हरिकेन, सड़कों को जकड़ देने वाले बर्फ़ीले तूफ़ान—लेकिन उसका आत्मविश्वास टिकता है। वहाँ ढाँचा झुकता है, फिर उठता है, फिर से बनता है। भारत में, हर बारिश मानो ढहने जैसा महसूस होती है। फ़क़र् सिफ़र् भूगोल का नहीं, भरोसे का है। आसमान की मार ही काफ़ी न थी कि वॉशिंगटन से लगी चोट भारत के लिए और गहरी है। डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्यात पर 50त्न टैरिफ़ लगाना महज़ आर्थिक झटका नहीं था, यह वह गड़गड़ाहट थी जिसने एक दशक से बुने गए भ्रम को चकनाचूर कर दिया। हाउडी मोदी के रंगारंग आयोजन से लेकर साझेदारी की तमाम तस्वीरों तक, भारत को यक़ीन था कि वह अमेरिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पर ट्रंप की राजनीति की ठंडी गणित में साझेदारी वहीं ख़त्म हो जाती है जहाँ उसका स्वार्थ शुरू होता है। और असर सिफ़र् सैद्धांतिक नहीं है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) ने मंगलवार को कहा कि तिरुप्पुर, नोएडा और सूरत के वस्त्र-निर्माता उत्पादन रोक चुके हैं। यह क्षेत्र वियतनाम और बांग्लादेश जैसे सस्ते प्रतिद्वंद्वियों के सामने पिछड़ रहा है। जहाँ तक समुद्री उत्पादों का सवाल है, ख़ासतौर पर झींगे, जिन्हें अमेरिकी बाज़ार लगभग 40त्न तक खाता है, उसके लिए टैरिफ़ वृद्धि का मारक मतलब है। स्टॉक के नुकसान, सप्लाई चेन का टूटना और किसानों की दुर्दशा, फियो अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने चेताया है। इस टैरिफ़ दीवार ने सूरत के हीरा तराशने वालों से लेकर आंध्र के झींगा किसानों, तिरुप्पुर के वस्त्र श्रमिकों और पुणे की मशीनरी इकाइयों तक, लाखों की रोज़ी-रोटी पर वार किया है। रुपये का मूल्य गिरा है, शेयर बाज़ार डगमगाए हैं, विकास दर के अनुमान घट चुके हैं। और एक ही झटके में भारत दुनिया के सबसे अधिक टैरिफ़ लगे देशों में गिना जाने लगा है। जबकि वॉल स्ट्रीट अभी भी बमबम है, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज अब भी वैश्विक धड़कन तय कर रहा है। उसकी अस्थिरता में भी एक दृढ़ता झलकती है। जबकि मुंबई का बाज़ार, इसके विपरीत, हर टैरिफ़ हेडलाइन पर काँप जाता है। एक शहर निश्चितता पर चलता है, दूसरा उम्मीद पर। और फिर भी, इस दरार, संकट के बीच प्रधानमंत्री अपनी लय में चलते हैं। मेट्रो और हाइवे के रिबन काटना। नारे दोहराना मानो कोई मंत्र हों: मेक इन इंडिया। मेक फ़ॉर द वर्ल्ड। दिवाली से पहले बड़े टैक्स तोहफ़ों का वादा—एक सरल जीएसटी प्रणाली, उपभोग को मुक्त करने के लिए। पर यह सब एक और जुमला ही लगता है—मानो नारे दोहराने से हक़ीक़त बदल जाएगी। लेकिन शब्दों का खेल जो हो रहा है, वह सच नहीं ढक सकता। टैक्स में छूट या जीएसटी में छोटे सुधार उपभोग को थोड़ा सहला सकते हैं, पर 50त्न टैरिफ़ दीवार के झटके को नहीं रोक सकते। वे उन दरवाज़ों को नहीं खोल सकते जो अमेरिका ने बंद कर दिए हैं। वे उन निर्यातकों को नहीं बचा सकते जिनकी फैक्टरियाँ आज बंद हो रही हैं। मोदी के वादे की निश्चितता और भारत की जीती-जागती अनिश्चितता के बीच की खाई अब और गहरी हो गई है। मध्यवर्ग के लिए यह अनिश्चितता और भी निजी रूप लिए होती है। मुंबई में मैंने शायद ही किसी से मुलाक़ात की हो जो जीवन से संतुष्ट दिखे—बिल असहनीय हैं, किराए अकल्पनीय और खर्चे लगातार सिर चढ़ते हुए। दिल्ली से भी ज़्यादा बोझिल और बेमुरव्वत लगता है यहाँ का जीवन। दिल्ली में घर खरीदना मिलेनियल के लिए सपना है, तो मुंबई में यह नामुमकिन-सा है। जगह की ऐसी किल्लत कि अमीर से ग़रीब तक सभी एक-दूसरे पर चढ़े हुए रहते हैं—छतें और दीवारें तकरीबन धकेल रही हों, निजता उतनी ही दुर्लभ है जितनी जगह। छोटी-सी ख़ुशी भी अब फिज़ूलखर्ची लगती है। टैक्सी की सवारी जेब चीर सकती है। कैफ़े लियोपोल्ड में पास्ता की एक प्लेट अब ?800 से ऊपर है—यह महज़ खाना नहीं, बल्कि एक बयान लगता है। वही कैफ़े, जो अब सिफ़र् कैफ़े नहीं रहा, बल्कि 26/11 की यादों और शांताराम की पंक्तियों से एक स्मारक बन गया है। मुंबई के इस एक कोने में ग्लैमर और ग़म, चाहत और थकान, सब भीड़ की तरह साथ रहते हैं। यही धीरे-धीरे भारत की कहानी बन रही है। महँगाई घरों को खा रही है, रोज़गार अटक-अटककर चल रहा है। कभी एक परिवार हर 3–4 साल में कार बदल सकता था, अब एक दशक लग जाता है। कभी विंडो शॉपिंग शौक था, अब मजबूरी है। हर तीसरा युवा फ्रीलांसर है—चुनाव से नहीं, बल्कि इसलिए कि पक्की नौकरियाँ ही ग़ायब हो गई हैं। सरकार तक अब न लोगों को स्थायी रूप से रखती है, न गाड़ियों को—सब भाड़े पर। विकल्प भी घटे हैं। कभी मुंबई की उड़ान के लिए जेट एयरवेज़, किंगफ़िशर, एयर इंडिया, इंडिगो में से चुन सकते थे, अब दो विकल्प बचे हैं। कभी टेलीकॉम में एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया, बीएसएनएल सभी थे—अब फ़ोन अपने आप जियो से जुड़ता है क्योंकि बाक़ी नेटवर्क बस नाममात्र हैं। ग्यारह साल के नारों की गूँज रोज़मर्रा की ज़िंदगी की छोटी-छोटी झुँझलाहटों से टकराती है। ग़रीब के लिए चोट और गहरी है—कम शिफ़्टें, कम निर्यात, कम रक़म।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने काम को परफेक्ट तरीके से करेंगे, जिससे बॉस आपकी तारीफ करेंगे। आज आपके रोजगार से जुड़े कार्यों को सफलता मिलेगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आप दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने जा सकते हैं, आपको अच्छा लगेगा। आज आप अपने घर का माहौल शांत और सौम्य बनाने का प्रयास करेंगे।

वृषभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपकी व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी और आपके व्यापारिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज आय के साथ-साथ आपके खर्चे भी बढ़ेंगे। आज आप कोई निर्णय लेने में ज्यादा जल्दबाजी न दिखाएं, थोड़ा रूककर और सोच –समझकर ही काम को आगे बढ़ाएं। इस राशि के म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों को आज किसी बड़े मंच के माध्यम से पहचान मिलेगी, जो आपके करियर को लेकर आगे जाएगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक -ठाक रहने वाला है। आज आप अपने जीवन को सही दिशा में लेकर जायेंगे और आपको जल्द ही अच्छे रिजल्ट्स मिलेंगे। आज आपको बड़ों का सानिध्य मिलेगा और घर में सुख सुविधा संबंधी वस्तुओं की खरीदारी भी रहेगी। आज आपका मन अध्यात्म में लगेगा, आपको मानसिक शांति मिलेगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपके परफॉरमेंस की तारीफ होगी और जूनियर भी आपसे सीखने का प्रयास करेंगे। आज बिजनेस के रुके हुए काम पूरे करने में सफलता मिल सकती हैं, जिससे आप अन्य कार्यों की भी योजना बनायेंगें। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा , बच्चे भी मन लगाकर पढाई करेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस में कुछ परिवर्तन करने का प्लान बनायेंगे, जिसका आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप नयी योजनाओं को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे। आज पारिवारिक तथा सामाजिक गतिविधियों में भी आपका योगदान रहेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ लेकर आप कारोबार में वृद्धि कर सकते हैं। आज काम को लेकर दौड़ -भाग रहेगी लेकिन कलीग की सहायता से सारा काम कम्पलीट हो जायेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार के माध्यम से शुभ समाचार मिलेगा , जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम के सिलसिले में पिता से बात करेंगे, जिसमें वो आपका पूरा सहयोग देंगे। आज आप पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में सफल रहेंगे, किसी रिश्तेदार के आने से घर का माहौल खुशहाल रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम बना रहेगा। आज आप अपने पूरे दिन के टारगेट बनाकर काम करेंगे, जिससे आपके ज्यादा से ज्यादा काम बनेंगे। आज सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि अच्छी बनेगी जिसका लाभ आपको जल्द ही मिलेगा। आज आपके किसी काम में थोड़ी उलझन रह सकती है, लेकिन आप अपनी मेहनत और सूझ -बूझ से सब ठीक का कर लेंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक -ठाक रहने वाला है। आज आप प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का मन बनायेंगे और आपको किसी करीबी के माध्यम से अच्छी डील भी मिलेगी। आज किसी भी काम में की गई मेहनत का उचित परिणाम हासिल होंगाऔर आप दूसरों से भी अपना काम निकलवाने में सफल रहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपकी अधिकतर योजनायें सफल रहेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप अपने ऑफिस से जुड़े सारे काम निपटाने लेंगे, जिसमें कलीग भी आपकी मदद करेंगें।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कर्तव्यों को अच्छे से निभायेंगे, परिवार में सब आपकी तारीफ करेंगे। आज आप काम में थोड़ा ज्यादा बिजी रहेंगे, इसलिए आपको थकान महसूस हो सकती है। आज आप निकट करीबियों से मुलाकात करेंगें उनसे मिलकर आपको ख़ुशी होगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके जरूरी और महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे, जिससे आपका आत्मबल मजबूत होगा। आज आप दुकान या मकान से रिलेटेड कोई काम शुरू करवा सकते हैं। आज आप समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों के लिए किसी योजना की शुरुआत करेंगे।

दंगाविहीन समाज के निर्माण को लेकर हमारी जिम्मेदारी

हृदयनारायण दीक्षित

दंगा अंधा युद्ध है। इसमें शत्रु का सही पता नहीं होता। आग लगाने, बम फोड़ने वाले नहीं जानते कि वे किसे मार रहे हैं? दंगा राष्ट्र राज्य के विरुद्ध हमले की कार्रवाई है। संभल दंगों की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा संभल के जनसांख्यिकीय चरित्र का भी उल्लेख किया गया है। जनसांख्यकीय चरित्र में बदलाव से राष्ट्रजीवन के तमाम क्षेत्र प्रभावित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 1947 में संभल की आबादी 45 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 15 प्रतिशत ही रह गई है। साफ है कि इसी चरित्र के प्रभाव में हिन्दू पलायन के लिए विवश हुए हैं। मुस्लिम आबादी के आधार पर ही पाकिस्तान की मांग की गई थी। 1951 की जनगणना में हिन्दू 85 प्रतिशत थे और मुसलमान 10 प्रतिशत थे। सैयद शहाबुद्दीन के अनुसार सन 1991 में हिन्दू 81.5 प्रतिशत थे और मुस्लिम 12.6 प्रतिशत। यहां मुस्लिम आबादी का प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा है। 2011 की जनगणना में हिन्दू 79.8 प्रतिशत थे मुस्लिम 14.2 प्रतिशत थे। तब से जनगणना नहीं हुई है, लेकिन मोटे तौर पर देश में अब 80.8 प्रतिशत हिन्दू होंगे और 16.3 प्रतिशत मुस्लिम होंगे। पड़ोसी देश पाकिस्तान में विभाजन के समय 24 प्रतिशत हिन्दू थे। अब 1.6 प्रतिशत हैं। बांग्लादेश बनने के समय हिन्दू आबादी 22 प्रतिशत थी अब 7 प्रतिशत है। संभल की भी यही स्थिति है। आबादी का असंतुलन राष्ट्रीय बेचैनी है। मुस्लिम आबादी नियंत्रण के आधुनिक तरीके नहीं अपनाते। मौलवी हिन्दुओं को बुतपरस्त बताकर आलोचना करते हैं। राष्ट्र का अस्तित्व नहीं मानते। राष्ट्र सर्वोपरिता की बात नहीं स्वीकार करते। संभल उदाहरण है। इसके अलावा जहां-जहां हिन्दू अल्पसंख्यक हैं, वहां-वहां उनका जीवन दुखमय है। लगातार दहशत और हत्या की आशंका से अल्पसंख्यक हिन्दू डरे रहते हैं और पीड़ित होकर पलायन कर जाते हैं। यह विषय बहुत गंभीर है। सरकारें अपना काम करती रहती हैं। सरकारी तंत्र की विवशता है कि वह घटना के बाद सक्रिय होता है। संभल के मामले में भी तुरंत कार्यवाही हुई। जांच समिति भी गठित की गई। लेकिन संभल में ही 75 वर्षों में 209 हिन्दू मारे गए। राष्ट्रीय राजनीति में ऐसे नाजुक प्रश्नों को भी सतही राजनीतिक बहस का मुद्दा बनाया जाता है। एक समय संभल में 68 तीर्थ स्थल थे और 19 विशेष प्रकार के पवित्र कुएं थे। इन पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे होते रहे। इससे अर्थ निकलता है कि संभल के महत्वपूर्ण मंदिर गिरा दिए गए हैं। संभल के दंगों में ही मूर्तियां और मंदिर नहीं गिराए गए, उनकी यही प्रवृत्ति है। इस विचारधारा में मंदिरों और मूर्तियों को नष्ट करने योग्य माना जाता है। तालिबानियों ने बामियान में मूर्तियों को ढहाया था। भारत के कोने-कोने हजारों सुंदर मंदिर थे। सातवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर औरंगजेब तक मूर्ति तोड़ो अभियान चलता रहा था। आखिरकार मूर्तियों से उनका क्या झगड़ा है? समिति ने संभल के दंगों में भी एक वरिष्ठ राजनेता का उत्तेजित करने वाले भाषण का उल्लेख किया है। महात्मा गांधी हिन्दू-मुस्लिम सहअस्तित्व के समर्थक थे। गांधीजी ने मुसलमानों का दिल जीतने के लिए खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया था। खिलाफत घोर साम्प्रदायिक आंदोलन था। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं था। खिलाफत आंदोलन के कारण भारत से बाहर थे। तमाम

प्रयासों के बाद गांधीजी ने अंत में लिखा कि, "हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं अपनी हार स्वीकार करता हूं।" हिन्दू मुस्लिम एकता के कुछ समर्थक एक साझा आस्था के संघीय स्वरूप पर बल दे रहे थे, अर्थात् हिन्दू हजरत मोहम्मद और कुरान को सम्मान दें और मुसलमान राम, कृष्ण, शिव और गीता, वेद आदि आदि का सम्मान करें। हिन्दू मन के लिए यह काम आसान था। मुस्लिम के लिए दुष्कर। हिन्दू जीवन रचना में पूरे अस्तित्व को एक सत्ता माना गया है। फिर मजहब के आधार पर अलग मुल्क पाकिस्तान की मांग हुई। इस मांग के समर्थन में सीधी कार्रवाई की गई। लाखों हिन्दू मारे गए। पाकिस्तान बना। दोनों देश अपने-अपने देश को विकसित कर रहे थे। फिर पाकिस्तान से टूट कर बांग्लादेश बना। पाकिस्तान कृत्रिम राष्ट्र है। राष्ट्र मजहब से नहीं बनते। संभल उसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। असली बात है भारत को कमजोर करने की इसी समूह की मुसलसल 'साजिश'। आखिरकार भारत विरोधी इस विचारधारा के साथ क्या सलूक किया जाए। रामजन्मभूमि के साक्ष्य एएसआई की खुदाई में मिले। इस विचारधारा और छद्म सेकुलरों ने रामजन्मभूमि के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया। फिर काशी का मसला आया। उन्होंने यहां भी खुदाई से उपलब्ध साक्ष्य का सम्मान नहीं किया गया। मथुरा का श्रीकृष्णजन्मभूमि मंदिर भी इसी श्रेणी में है। आश्चर्यजनक बात है कि जहां-जहां गहरी खुदाई होती है, वहां वहां गहराई में कोई मूर्ति, कोई उपासना स्थल, हिन्दुत्व के ऐसे ही प्रतीक मिल जाते हैं। उनकी यह विचारधारा फलती-फूलती रहती है। प्रत्येक राष्ट्रभक्त का कर्तव्य है कि वह इस विचारधारा का खुलकर प्रतिकार करे। संभल की वास्तविकता व हिंसा ने हजारों लोगों को आहत व सावधान किया है। सब अपना अपना कर्तव्य पालन करें। हिन्दुओं का पलायन गंभीर चिन्ता का विषय है। हिन्दू जब किसी पुराने इलाके को छोड़कर जाते हैं, तो उनके मंदिर यहीं रह जाते हैं। कोई यों ही अपना घर नहीं छोड़ता। वह विषम परिस्थितियों का सामना करता है। जब सब तरफ से निराश हो जाता है, तभी अपना घर छोड़ता है। स्वाधीनता से लेकर अब तक संभल में 15 दंगे हुए हैं। हिन्दू समुदाय की जनसंख्या के घटने का यही कारण है। हर एक दंगा निर्दोषों की जान लेकर अगले दंगे की आशंका छोड़ जाता है। सरकारों के लिए परेशानी का कारण बनता है। कोई भी सरकार अपने यहां दंगा नहीं चाहती।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित और विराट को एकदिवसीय विश्वकप तक के लिए टीम में बनाये रखें : रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहिये। रैना के अनुसार टीम को विश्वकप में रोहित और विराट जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की जरुरत है। रैना ने कहा कि जिस प्रकार दोनो ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दिलायी। वैसा ही ये दोनो विश्वकप में भी कर सकते हैं। रैना के अनुसार विश्वकप में भी रोहित ही कप्तानी करें। रोहित ने अभी तक 50 ओवर का विश्व कप नहीं जीता है, उनकी कप्तानी में टीम 2023 विश्वकप में फाइनल तक पहुंची थी पर उसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं विराट 2011 वर्ल्ड विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। रोहित अभी 38 जबकि कोहली 36 साल के हैं। दोनों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। रैना ने कहा, रोहित और विराट कोहली दोनों के पास काफी अनुभव है। रोहित का पता है कि वह घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। वह इसके लिए अभ्यास भी कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि 2027 का एक विश्वकप भी खेलेंगे। हालांकि सारी चीजें चयनकर्ताओं पर निर्भर करती हैं कि वे कैसी टीम बना रहे हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता दोनों को अवसर देता, रोहित कप्तान रहते और कोहली भी खेलते। कोहली ने 2011 एकदिवसीय विश्व कप जीता है। रोहित को भी एक जीतना चाहिए। उनके पास बहुत अनभव है। फिर उनके पास सबकुछ होगा। आईपीएल से लेकर टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और और एकदिवसीय विश्व कप। मुझे लगता है कि उन्हें एक और अवसर मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्हें अवसर मिलेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसर इन दोनो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलने की कम ही संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद इन्हें बाहर किया जा सकता है।

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे : पठान

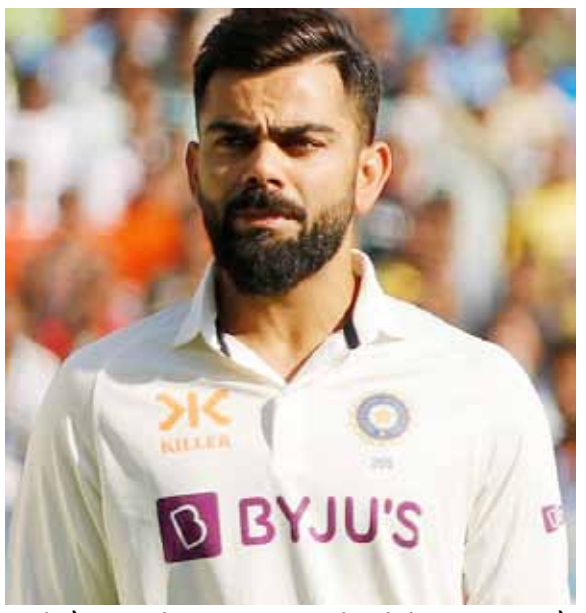

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, "कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा।" "जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।"

अब आधा घंटा देर से होंगे एशिया कप के मुकाबले

दुबई । 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (युएई) में होने वाले एशिया कप के कार्यक्रम में हल्का सा बदलाव किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्मी के कारण एशिया कप के मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होंगे। पहले यह मैच शाम 7:30 बजे निर्धारित थे। यूएई में गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजकों ने मैचों के समय को आधे घंटे बढ़ा दिया है। इस फैसले को प्रयोजकों ने भी स्वीकार कर दिया है। यूएई का मौसम खिलाड़ियों के लिए काफी परेशानी पैदा कर सकता है। खासकर गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों और दर्शकों को परेशानी हो सकती है, इसी को देखते हुए समय में बदलाव किया है। दिन के समय तापमान बेहद अधिक रहता है, जिससे शाम को भी गर्मी बनी रहती है। आयोजकों ने यह फैसला लिया है कि मैचों को रात के समय आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल स्थितियां मिलें और दर्शकों को स्टेडियम में आरामदायक अनुभव हो। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। वहीं ग्रुप स्तर का अंतिम मुकाबला भारत 19 सितंबर को ओमान से खेलेगा। वहीं सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में दोनो भूमिका भी निभा सकता है हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो बात किससे हुई थी।

सीएबीसी के सालाना सामारोह में आकाशदीप विशेष पुरस्कार से सम्मानित

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने वार्षिक पुरस्कारों समारोह में तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया। बंगाल से खेलने वाले आकाशदीप ने भारतीय टीम के इंग्लैड दौरे में शानदार प्रदर्शन किया है। आकाश ने दूसरे टेस्ट में दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आकाशदीप के अलावा बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को भी बंगाल टीम में उनके योगदान के लिए एक विशेष पुरस्कार मिला। अभिमन्यु इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सीएबीसी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने ये पुरस्कार दिये। समारोह में पूर्व क्रिकेटरों अरूप भट्टाचार्य और श्यामा शॉ को 'कार्तिक बोस लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार प्रदान किया गया। आकाश दीप ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा, 'मैं इस पुरस्कार के लिए सीएबी को धन्यवाद देना चाहता हूं। संघ ने मेरे क्रिकेट के सफर में मेरी बहुत सहायता की है जिससे मैं आज यहां तक पहुंचा हूं। मैं सीएबी में मिले सहयोग के सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं।' इस अवसर र गांगुली ने आकाश दीप की जमकर प्रशंसा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'मैं सभी विजेताओं को बधाई देना चाहता हूं। प्रत्येक खिलाड़ी ने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं सभी को आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' इस दौरान लगभग 206 पुरस्कार प्रदान किए गए। आकाशदीप ने एजबेस्टन टेस्ट में 10 विकेट लेकर 58 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। इस क्रिकेटर ने टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरूआत करते हुए रणजी, आईपीएल से होते हुए भारतीय टीम तक पहुंच बनायी थी।

व्यापार

भारत बना यूक्रेन का सबसे बड़ा डीजल सप्लायर:

जुलाई में हर दिन 2,700 टन डीजल बेचा, रूसी तेल की वजह से अमेरिका ने टैरिफ लगाया था

नई दिल्ली , डीजल सप्लाई में यह उछाल एसे समय में आया है, जब अमेरिका ने भारत के रूसी तेल आयात को लेकर उस पर 50% पनिशटिव टैरिफ लगाए हैं। नाफ्टोरिनोक के मुताबिक, भारत ने इस महीने यूक्रेन की डीजल जरूरतों का 15.5% हिस्सा पूरा किया, जो कि पिछले साल जुलाई 2024 में मात्र 1.9% था। जुलाई 2025 में भारत ने हर दिन औसतन 2,700 टन डीजल यूक्रेन को भेजा, जो इस साल के सबसे ऊंचे मासिक निर्यात आंकड़ों में से एक है। यहां सबसे दिलचस्प बात यह है कि डीजल बनाने के लिए भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल रूस से ही खरीद रहा है जिसकी यूक्रेन के साथ जंग चल रही है। यानी, एक तरफ अमेरिका भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए सजा दे रहा है, और दूसरी तरफ भारत का डीजल यूक्रेन की युद्धकालीन अर्थव्यवस्था को सपोर्ट कर रहा है। यह वैश्विक कूटनीति और व्यापार की जटिलताओं को दर्शाती है। ट्रम्प बोले- युद्ध मशीन को फंडिंग दे रहा भारत डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि भारत और चीन जैसे देश रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसकी युद्ध मशीन को फंडिंग दे रहे हैं। वहीं भारत का कहना है कि वह रूस से तेल इसलिए खरीद रहा है, क्योंकि यह सस्ता है और इससे भारतीय उपभोक्ताओं को किफायती कीमत पर ईंधन मिल रहा है। रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत भारत सरकार ने कहा- वह रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा। दो सरकारी सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि ये लंबे समय के तेल अनुबंध हैं, जिन्हें रातोंरात रोकना मुमकिन नहीं है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। रूस उसका सबसे बड़ा तेल सप्लायर है, जो भारत की कुल तेल जरूरत का करीब 35-40% हिस्सा पूरा करता है। रात का तर्क है कि रूस से सस्ता तेल खरीदने से न केवल उसकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है, बल्कि वैश्विक तेल की कीमतों को स्थिर रखने में भी मदद मिली है। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा- भारत का यह कदम अमेरिका और यूरोप की नीति के अनुरूप था। सस्ता रूसी तेल खरीदकर भारत ने तेल कीमतों को बढ़ने से रोका। रूसी तेल पर भारत पर पेनल्टी, लेकिन चीन पर नहीं अमेरिका के टैरिफ ने भारत-अमेरिका के रिश्तों पर तनाव बढ़ा दिया है। भारत का कहना है कि अमेरिका ने उसे निशाना बनाया। रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार चीन है, लेकिन उसपर कोई पेनल्टी नहीं लगाई गई। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन पर सजा लगाने से वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत के विदेश सचिव ने हाल ही में कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बातचीत चल रही है। भारत अमेरिकी तेल खरीदने के लिए भी तैयार है, लेकिन रूस से तेल आयात को पूरी तरह बंद करना उसके लिए आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

FPI ने अगस्त में भारतीय शेयर-बाजार से 35,000 करोड़ निकाले:यह पिछले छह महीनों में सबसे बड़ी निकासी, जानें विदेशी निवेशक क्यों कर रहे बिकवाली

नई दिल्ली , 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से टोटल 1.3 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। अगस्त 2025 में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (FPI) ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 35 हजार करोड़ रुपए (लगभग 4 बिलियन डॉलर यानी 34,993 करोड़ रुपए) निकाल लिए। यह पिछले छह महीनों में सबसे बड़ी बिकवाली है। इससे पहले फरवरी में FPI ने 34,574 करोड़ की बिकवाली की थी। बाजार एनालिस्टों का कहना है कि इसकी वजह अमेरिका के भारतीय एक्सपोर्ट पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ और भारत में शेयरों की ऊंची कीमतें हैं। जुलाई में FPI ने 17,741 करोड़ रुपए निकाले थे, यानी अगस्त की बिकवाली उससे लगभग दोगुनी रही। डिपॉजिटरी डेटा के अनुसार, 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से टोटल 1.3 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। शुक्रवार को FPI सेलर्स बने रहे बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स नेट सेलर्स बने रहे। NSE के डेटा के अनुसार, 29 अगस्त को FPI ने 8,312.66 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, FII ने 9,679.99 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 17,992.65 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं DII ने 11,487.64 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, DIIs ने 20,676.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 9,189.14 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

सितंबर में बैंक 15 दिन बंद रहेंगे:4 रविवार-2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 9 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली , अगले महीने यानी सितंबर में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 15 दिन बैंक बंद रहेंगे। RBI कैलेंडर के अनुसार, 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 9 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। यहां देखें सितंतबर महीने में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे... सितंबर 2025 बैंक हॉलिडे लिस्ट तारीख बंद रहने का कारण कहां बंद रहेंगे , सितंबर 3 कर्मा पूजा रांची, सितंबर 4 पहला ओणम कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, सितंबर 5 ईद-ए-मिलाद/मिलाद-उन-नबी/ थिरुवोनम महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर सहित कई राज्य, सितंबर 6 ईद-ए-मिलाद/इंद्रजात्रा गंगटोक, रायपुर, श्रीनगर, सितंबर 7 रविवार सभी जगह ,सितंबर 12 ईद-ए-मिलाद के बाद शुक्रवार जम्मू, श्रीनगर, जयपुर, सितंबर 13 दूसरा शनिवार सभी जगह , सितंबर 14 रविवार सभी जगह , सितंबर 21 रविवार सभी जगह , सितंबर 22 नवरात्र स्थापना जयपुर, सितंबर 23 महाराजा हरि सिंह जी का जन्मदिन जम्मू , सितंबर 27 चौथा शनिवार सभी जगह, सितंबर 28 रविवार सभी जगह , सितंबर 29 महा सप्तमी/दुर्गा पूजा अगरतला, गुवाहाटी, इंफाल, कोलकाता, पटना, रांची सितंबर 30 महा अष्टमी/दुर्गा पूजा अगरतला, गुवाहाटी, इंफाल, कोलकाता, रांची, भुवनेश्वर, जयपुर , **सोर्स - RBI**

सितंबर में कर्मा पूजा, ओणम, ईद-ए-मिलाद, इंद्रजात्रा, नवरात्रि स्थापना और दुर्गा पूजा जैसे प्रमुख त्योहार के चलते कई राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। , ये छुट्टियां अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं और सभी बैंक ब्रांच सभी डेट्स पर बंद नहीं रहेंगे। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे बैंक जाने की योजना बनाने से पहले अपनी स्थानीय ब्रांच से इसकी जानकारी ले लें।

टिक-टॉक के भारत में फिर से शुरू होने की अटकले:गुरुग्राम ऑफिस के लिए जॉब ओपनिंग निकाली; 2020 से देश में बैन है चीनी एप

गुरुग्राम , टिकटॉक एक शॉर्ट वीडियो शेयरिंग एप है, जहां यूजर्स 15 सेकंड से 3 मिनट तक के वीडियो बना और शेयर कर सकते हैं। इसे म्यूजिक, डांस, कॉमेडी और क्रिएटिव कंटेंट के लिए जाना जाता है। टिकटॉक एक शॉर्ट वीडियो शेयरिंग एप है, जहां यूजर्स 15 सेकंड से 3 मिनट तक के वीडियो बना और शेयर कर सकते हैं। इसे म्यूजिक, डांस, कॉमेडी और क्रिएटिव कंटेंट के लिए जाना जाता है। छिले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक सवाल बार-बार उठ रहा है- क्या टिकटॉक भारत में वापसी करने वाला है? भारत ने 2020 में इस चीनी एप पर पाबंदी लगा दी थी। ऐसा इसलिए क्योंकि शॉर्ट वीडियो एप टिकटॉक को ऑपरेट करने वाली चीनी कंपनी बाइट डांस ने गुरुग्राम ऑफिस के लिए लिंक्डइन पर दो जॉब ओपनिंग पोस्ट की है। इसके साथ ही, टिकटॉक की वेबसाइट भी भारत में कुछ हद तक फिर से दिखने लगी है। आइए इस पूरे मामले में आसान भाषा में समझते हैं.... टिक-टॉक के भारत में वापसी की अटकलों की दो वजहें... 1. जॉब पोस्टिंग: टिक टॉक ने जो वैकेंसी निकाली है उसमें एक पोस्ट है बंगाली भाषी कंटेंट मॉडरेटर की। इसका काम वीडियो या कंटेंट की जांच करना होगा। वहीं दूसरी पोस्ट है वेलबीइंग पार्टनरशिप और ऑपरेशंस लीड की। इसका काम यूजर्स की सेफ्टी और प्लेटफॉर्म की पॉलिसी से जुड़ा काम देखेगा। 2. वेबसाइट एक्सेसः पहले, जब आप टिकटॉक की वेबसाइट पर जाते थे, तो एक मैसेज दिखता था कि 'ये सेवा भारत में उपलब्ध नहीं है।' लेकिन पिछले हफ्ते से डेस्कटॉप पर वेबसाइट का 'अबाउट अस' पेज दिखने लगा। हालांकि, वीडियो अभी भी नहीं देखे जा सकते। टिकटॉक का एप भी उपलब्ध नहीं है।

शेयर बाजार में 5 सितंबर को बड़े मूवमेंट की उम्मीद:सपोर्ट और रेजिस्टेंस के अहम लेवल जानें; 5 फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 29 अगस्त को सेंसेक्स 271 अंक गिरकर 79,810 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में 74 अंक की गिरावट रही, ये 24,427 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 29 अगस्त को सेंसेक्स 271 अंक गिरकर 79,810 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में 74 अंक की गिरावट रही, ये 24,427 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार के लिए इस हफ्ते 5 सितंबर की तारीख अहम है। वेल्थव्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हर्षुभ शाह के मुताबिक इस दिन बाजार में बड़ा मूवमेंट दिख सकता है। इसके अलावा जीएसटी काउंसिल की मीटिंग, ग्लोबल मार्केट के संकेत, अमेरिकी टैरिफ से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे। चलिए समझते हैं कि इस हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है... सपोर्ट जोनः 24,380 / 24,331 / 24,140 / 23,875 / 23,820 / 23,320 सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। इन स्तरों पर खरीदारी का मौका मिल सकता है। रेजिस्टेंस जोनः 24,460 / 24,540 / 24,650 / 24,800 / 25,001 / 25,080 रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है।

साउथ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिरई' का ट्रेलर जारी

साउथ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिरई' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कार्तिक गट्टमनेनी के निर्देशन और टीजी विश्व प्रसाद व कृति प्रसाद के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म पहले से ही चर्चा में थी। अब इसमें नॉर्थ मार्केट के लिए धर्मा प्रोडक्शंस के जुड़ने से इसका स्केल और भी बड़ा हो गया है। फिल्म 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में दिखाए गए शानदार विजुअल्स दर्शकों को एक अलग ही ब्रह्मांड में ले जाते हैं, जहां अच्छाई और बुराई का महासंग्राम देखने को मिलेगा। मंचु मनोज का डार्क और डरावना खलनायक अवतार रोमांचक है, वहीं 'हनुमान' जैसी सुपरहिट फिल्म से दर्शकों का दिल जीत चुके तेजा सज्जा एक निडर सुपर योद्धा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। उनका करिश्माई लुक और स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। फिल्म में जगपति बाबू, जयराम, श्रिया सरन और रितिका नायक जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह स्टारकास्ट 'मिरई' को और भी मजबूत बनाती है। ट्रेलर से साफ है कि हर फ्रेम में उच्चस्तरीय वीएफएक्स और भव्यता देखने को मिलेगी। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए तकनीकी और विजुअल दोनों स्तरों पर एक नया अध्याय साबित हो सकती है। 'मिरई' का बैकग्राउंड स्कोर भी खास आकर्षण है। संगीतकार गौरा हरी ने ट्रेलर में अपने जोशीले संगीत से ऐसे पल बनाए हैं, जो दर्शकों की धड़कनें तेज कर देते हैं। युद्ध के दृश्य, ग्राफिक्स और संवाद, सब मिलकर फिल्म को पैन-इंडिया स्तर पर एक बड़ा अनुभव देने का वादा करते हैं। ट्रेलर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर 'मिरई' ट्रेंड करने लगी है। प्रशंसकों का कहना है कि यह फिल्म सिर्फ एक और एक्शन ड्रामा नहीं, बल्कि एक ऐसा सिनेमैटिक अनुभव है जो हॉलीवुड की फैंटेसी फिल्मों की टक्कर का होगा। फिल्म के निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी का कहना है कि "मिरई केवल एक कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी यात्रा है जो दर्शकों को अच्छाई और बुराई के शाश्वत संघर्ष से जोड़ती है।" वहीं निर्माता टीजी विश्व प्रसाद का मानना है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा की तकनीकी सीमाओं को आगे बढ़ाएगी।

चुनौतीपूर्ण रियलिटी शो में हिस्सा ले सकती है कावेरी कपूर

आजकल बहुमुखी प्रतिभा की धनी कलाकार कावेरी कपूर सुर्खियों में हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें भारत के सबसे चुनौतीपूर्ण रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए अप्रोच किया गया है। शो का फॉर्मेट प्रतिभागियों की मानसिक मजबूती और व्यक्तिगत रिश्तों की परीक्षा लेता है। हर वक्त बदलते हालात प्रतिभागियों को नए फैसले लेने के लिए मजबूर करते हैं। ऐसे माहौल में रहना आसान नहीं होता और यही इस शो की खासियत है। इस शो में वही लोग सफल हो पाते हैं जिनमें धैर्य, आत्मविश्वास और मजबूत मानसिकता होती है। ऐसे में कावेरी का नाम सामने आने से प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कावेरी कपूर, जो गायिका, गीतकार, कवयित्री और अभिनेत्री के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं, अपने करियर को बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ाती रही हैं। उनका बॉलीवुड डेब्यू 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया था। इसके अलावा उन्होंने अपनी आवाज और लेखन से भी अलग पहचान बनाई। अब अगर वह इस चुनौतीपूर्ण रियलिटी शो में हिस्सा लेती हैं, तो यह उनके करियर का नया मोड़ साबित हो सकता है। हालांकि कावेरी या उनकी टीम की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, शो मेकर्स उनसे लगातार संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। शो की लोकप्रियता और इसकी कठिनाई स्तर को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिस्सा लेना किसी भी सेलिब्रिटी के लिए आसान निर्णय नहीं है। कावेरी की लोकप्रियता सोशल मीडिया पर भी लगातार बढ़ रही है। उनकी रचनात्मकता और साफ-सुथरी छवि उन्हें युवाओं का आइकन बनाती है। यही वजह है कि अगर वह इस शो में उतरती हैं तो दर्शकों के बीच आकर्षण का बड़ा केंद्र बनेंगी। उनकी पर्सनालिटी, आत्मविश्वास और सोच इस शो की थीम के साथ अच्छी तरह मेल खा सकती है। इसके साथ ही कावेरी की झोली में पहले से कई प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं। वह फिल्म 'मासूम 2' में नजर आने वाली हैं, जिसकी चर्चा अभी से हो रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वह इतने व्यस्त शेड्यूल के बीच इस रियलिटी शो को समय देंगी या नहीं। कुल मिलाकर, कावेरी कपूर का नाम इस शो के साथ जुड़ना ही फैंस के बीच उत्साह पैदा कर चुका है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या वह इस चुनौती को स्वीकार कर दर्शकों को अपनी नई छवि दिखाने का फैसला लेंगी। बता दें कि यह शो टेलीविजन पर हाल के वर्षों में मानसिक और भावनात्मक रूप से सबसे कठिन रियलिटी शोज में गिना जाता है, जहाँ प्रतियोगियों को लगातार बदलते समीकरणों और पावर डायनामिक्स का सामना करना पड़ता है।

मलाइका का स्टाइलिश अंदाज तेजी से हो रहा वायरल

बालीवुड एक्ट्रेस और फैशन आइकान मलाइका अरोड़ा ने मेलबर्न से अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में मलाइका ब्लैक ओवरकोट में नजर आ रही हैं। खुले बाल, आकर्षक मुस्कान और हाथ में स्टाइलिश हैंडबैग उनके लुक को और भी खास बना रहा है। कैमरे की ओर मुड़कर उन्होंने जो 'पलट' पोज दिया, उसी ने फैंस का दिल जीत लिया। उनकी पोस्ट पर आते ही हजारों लाइक्स और मजेदार कमेंट्स की बाढ़ आ गई। इन तस्वीरों में मलाइका अकेले ही नहीं, बल्कि अपनी दोस्तों के साथ भी नजर आ रही हैं। एक फोटो में वह अपनी फ्रेंड्स संग कैमरे की ओर एक साथ 'पलट' पोज देती दिखाई देती हैं। इस अंदाज को देखकर उनके फैंस ने तुरंत शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का मशहूर डायलॉग याद दिला दिया। एक फैन ने कमेंट किया, "पलट... वरना प्यार हो जाएगा।" वहीं दूसरे ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "इतनी खूबसूरती लेकर पलटना लीगल है क्या?" कुछ फैंस ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा कि मलाइका हर उम्र में फिट और स्टाइलिश दिखती हैं। एक यूजर ने कहा, "आपने पलट कर देखा और हमारा दिन बन गया।" वहीं एक और फॉलोवर ने उन्हें "स्टाइल क्वीन" बताया। कई लोगों ने उनकी फिटनेस और ड्रेसिंग सेंस की भी जमकर सराहना की। मलाइका अरोड़ा का करियर 1990 के दशक में शुरू हुआ था, जब वह एमटीवी इंडिया पर वीजे के रूप में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता उनके डांस नंबर्स से मिली। 1998 में दिल से फिल्म के गाने छैय्या-छैय्या और 2010 में दबंग का मुन्नी बदनाम हुई आज भी उनके करियर के सबसे हिट गानों में गिने जाते हैं। उनकी पर्सनल लाइफ भी हमेशा चर्चा में रहती है।

मोनालिसा के ट्रेडिशनल लुक ने मंत्रमुग्ध कर दिया फैंस को

अपने पारंपरिक अंदाज से भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने सभी का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर मोनालिसा ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनका ट्रेडिशनल अवतार देखकर प्रशंसक मंत्रमुग्ध रह गए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में मोनालिसा रानी कलर की आकर्षक साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसके चौड़े बॉर्डर पर ग्रीन रंग की खूबसूरत कढ़ाई है। उन्होंने इस साड़ी को बेहद शानदार तरीके से कैरी किया है। गले में भारी हार, कानों में बड़े झुमके और हाथों में हरे-गोल्डन रंग की चूड़ियों का सेट उनके लुक को और भी निखार रहा है। माथे पर छोटी सी बिंदी और मांग में सिंदूर ने उनके पूरे पारंपरिक अवतार को एक दुल्हन जैसी गरिमा दी है। मोनालिसा ने अपने बालों को सलीके से स्टाइल किया है। आधे बाल खुले रखे गए हैं और आधे बांधे गए हैं, जिससे उनका चेहरा और भी आकर्षक लग रहा है। हर तस्वीर में उनका आत्मविश्वास और मुस्कान झलक रही है। पहली तस्वीर में वह झुमका पहनते हुए नजर आ रही हैं, दूसरी तस्वीर में पायल दिखा रही हैं, जबकि तीसरी तस्वीर में वह भगवान गणपति की चौकी के सामने बैठकर आशीर्वाद लेती दिखाई देती हैं। उनकी आंखों और चेहरे पर सच्ची भक्ति का भाव झलकता है। तस्वीरें साझा करते हुए मोनालिसा ने लिखा, "गणपति बप्पा हमें आशीर्वाद दें।" उनके इस पोस्ट पर देखते ही देखते हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ गए। फैंस उनकी सादगी और खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "आप देवी जैसी लग रही हो," तो दूसरे ने उन्हें "प्योर इंडियन ब्यूटी" कहा। कई लोगों ने गणेश चतुर्थी की बधाई भी दी। मोनालिसा को आमतौर पर वेस्टर्न और ग्लैमरस ड्रेस में देखा जाता है, लेकिन जब भी वह ट्रेडिशनल पहनावे में आती हैं तो उनका अलग ही अंदाज सामने आता है। यही वजह है कि उनके फैंस उनके हर लुक को दिल से अपनाते हैं। भोजपुरी फिल्मों में अपनी मजबूत पहचान बनाने वाली मोनालिसा टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लगातार सक्रिय हैं। उनकी लोकप्रियता सिर्फ बिहार और उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में उनके चाहने वाले मौजूद हैं। सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लाखों में है और यही वजह है कि उनकी हर तस्वीर तुरंत वायरल हो जाती है। इस बार उनका पारंपरिक अंदाज और भगवान गणपति के प्रति श्रद्धा देखकर फैंस ने न सिर्फ उनकी सुंदरता की सराहना की बल्कि उनकी आस्था की भी तारीफ की। मोनालिसा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि चाहे ग्लैमरस अवतार हो या सादगी भरा पारंपरिक लुक, वह हर रूप में बेमिसाल हैं। बता दें कि भोजपुरी सिनेमा की मशहूर और खूबसूरत अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं।

प्रतिभागियों के साथ डांस कर मंत्रमुग्ध कर दिया नोरा फतेही ने

हाल ही में लॉस एंजिल्स में आयोजित एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में अभिनेत्री नोरा फतेही ने न केवल अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इतना ही नहीं, उन्होंने मंच पर उतरकर प्रतिभागियों के साथ डांस कर हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस वर्कशॉप में सैकड़ों युवा डांसर्स और फैन्स मौजूद थे, जहां नोरा ने 'ओ मामा! टेटेमा' गाने पर विशेष कोरियोग्राफी पेश की। उनकी एनर्जी और जुनून ने पूरे हॉल का माहौल जोशीला बना दिया। फैन्स लगातार उनके हर मूव को कैमरे में कैद करते रहे। नोरा की यह वर्कशॉप केवल एक इवेंट नहीं, बल्कि डांस और म्यूजिक का ऐसा उत्सव बन गई, जिसने लोगों को एक कम्युनिटी की तरह जोड़ दिया। यही कारण है कि उन्हें केवल एक डांसर या एक्ट्रेस नहीं, बल्कि ग्लोबल कल्चर की ध्वजवाहक माना जाता है। इसी बीच उनका नया गाना 'ओ मामा! टेटेमा' दुनियाभर के चार्ट्स पर धमाल मचा रहा है। यह ट्रैक स्पॉटिफाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट में 29वें पायदान तक पहुंच चुका है, जबकि भारत में यह चौथे स्थान पर है। इतनी बड़ी उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यह गाना सीमाओं से परे जाकर क्रॉसओवर हिट बन चुका है। नोरा ने भी सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि उन्हें लगता है यह गाना 2025 का सबसे बड़ा समर एंथम साबित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इंस्टाग्राम पर इस गाने पर एक मिलियन से ज्यादा रील्स बनने वाली हैं। नोरा के मुताबिक, "यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। एक सिंगर और आर्टिस्ट के तौर पर इतना बड़ा रिस्पॉन्स मिलना मेरे करियर का अहम मोमेंट है।" जहां एक ओर यह गाना ग्लोबल चार्ट्स में धूम मचा रहा है, वहीं नोरा फिल्मी दुनिया में भी लगातार सक्रिय हैं। वह जल्द ही अपनी फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' के साथ पर्दे पर नजर आएंगी। इसके अलावा वह 'कांचना 4' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से भी जुड़ी हुई हैं। लॉस एंजिल्स की इस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, उनके लिए यह अनुभव अविस्मरणीय रहा। नोरा का सहज स्वभाव और फैन्स के प्रति अपनापन उन्हें औरों से अलग बनाता है।

'बिग बॉस 19' में एक्ट्रेस अशनूर कौर की एंट्री

'बिग बॉस 19' में एक्ट्रेस अशनूर कौर की भी एंट्री हो चुकी हैं। इस अवसर पर स्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं। इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था। अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। 'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है।

US President Trump cancels India visit, trade tensions and 'Nobel dispute' worsen relations

New Delhi, Bitterness has been clearly visible in the relations between the US and India for some time now. Meanwhile, after imposing 50 percent tariff on India, US President Donald Trump has also canceled his proposed visit to India. According to a recent report by the New York Times, Trump will no longer come to India even for the Quad summit to be held at the end of the year. The report claims that Trump had earlier assured Prime Minister Narendra Modi to come to India, but after the situation worsened, he canceled the program. At present, no official response has come from both the countries on this. According to the report, differences between Trump and Modi have deepened over trade issues. The situation became more complicated when Trump repeatedly started claiming that he played an important role in resolving the four-day military conflict between India and Pakistan in May. India constantly rejected these claims and clearly said that America had no role. Prime Minister Modi had given a clear message through Foreign Secretary Vikram Misri that the India-Pakistan conflict was resolved by the two countries only through military channels and no third party mediation would be accepted. According to the report, during the phone call on June 17, Trump once again took credit for ending the war and claimed that Pakistan was planning to nominate him for the Nobel Peace Prize. He indirectly expressed his expectation of support from Prime Minister Modi in this campaign. But Modi rejected it outright. It is being said that Trump did not like this attitude of Modi and this became a major reason for the rift in the relations between the two leaders. The White House also never mentioned this call publicly, while Trump has claimed more than 40 times so far that he stopped the India-Pakistan war. India is going to host the Quad summit later this year. But now the absence of the US President has raised questions about the political importance of this meeting.

Postal Department suspends all postal services to America

New Delhi, The Postal Department has banned sending all types of postal items, including letters, documents and gifts, worth up to $ 100 to the United States. In its earlier notification, the Postal Department had decided to temporarily suspend the booking of all types of postal items except letters, documents and gifts worth up to $ 100. The department said, in view of the inability of carriers to transport mail going to America and the undefined regulatory mechanism, the competent authority has decided to completely suspend all types of mail going to America, including letters / documents and gifts worth up to $ 100. The Postal Department has taken note of the executive order issued by the US administration on July 30. Under this order, the 'duty-free de minimis exemption' exemption on goods up to $ 800 has been abolished from August 29, 2025. This means that now all international mail going to the US, irrespective of its value, will be charged custom duty. This duty will be levied under the 'International Emergency Economic Powers Act' (IEEEPA). The main products shipped from India to e-commerce platforms or directly to consumers include clothing, small-sized carpets, gems and jewellery, wellness products, handicrafts, electronics and footwear. Ajay Sahai, Director General of Federation of Indian Export Organisations (FIRO), said, I expect business problems for about a month due to the end of de minimis exemption. He said that currently e-commerce companies are reviewing the cost and studying how much additional cost American consumers can bear. According to US rules, transport companies sending goods through the international postal network or eligible parties approved by US Customs and Border Protection (CBP) must collect and deposit duty (tax) on postal consignments. CBP issued some guidelines on August 15, 2025, but many important points related to the processes of selecting eligible parties and collecting and depositing duty are still not clear. For this reason, air transport companies going to the US have expressed their inability to accept mail after August 25, 2025, as they do not have technical and operational preparation for this.

BJP works in national interest and sacrifices for it: Giriraj Singh

Patna, Union Minister and BJP leader Giriraj Singh on Sunday clearly said that BJP does not use anyone. BJP works in national interest and sacrifices for the nation. ? When Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav described BJP as a party that uses and then leaves while talking to journalists in Patna, he said that he does not know when he was used? He must know 'use and throw'. He said that used things are very dangerous. Who was used and who was left, only Akhilesh must know this. Bharatiya Janata Party works in national interest and sacrifices for the nation. In fact, Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav came to Bihar on Saturday to join Rahul Gandhi's Voter Rights Yatra and fiercely targeted the BJP. BJP leader and Union Minister Giriraj Singh said about a statement by Mahua Moitra that it is the misfortune of Mamata Banerjee's party. After giving such a bad statement, Mamata Banerjee should apologize, but why should she apologize? ? Describing TMC as a 'Murd Katva Party', he said, when someone wins the election against them, they hang him. But, no one should be under any misconception. There is a saying in our village - Sabse Jottha, Sabse Joke. But now I will not say the next word, one should not joke with it and this joke will prove to be very costly. On the Election Commission sending notices to three lakh people, he said that the Election Commission is right in saying that only those who are citizens of India will vote. Why will those who are not citizens of India vote? If these people are citizens of India, then Rahul Gandhi and Tejashwi Yadav should stand next to them and get the verification of three lakh people done.

Combatting Trump's tariff bomb: Modi government takes charge, prepares for COVID-style relief package and reduction in GST

New Delhi, Former US President Donald Trump's decision to impose a massive tariff of 50 percent on India has created a wave of concern among Indian exporters and workers. This move is also threatening millions of jobs. However, the Modi government at the Center has prepared a comprehensive strategy to deal with this 'tariff bomb' of Trump. The government has started working on the model adopted during the COVID lockdown to provide immediate relief to industries facing cash crunch and save exports. According to a Hindustan Times report, two senior officials have said that the government's first priority is to overcome the cash crisis faced by industries, especially small and medium enterprises (SMEs). Trump's tariffs can lead to many problems like delay in payment, cancellation of orders and delay in delivery of goods. To deal with these challenges and help exporters continue, the government is considering giving a relief package on the lines of the schemes implemented during the COVID-19 pandemic. According to officials, the government is particularly focused on re-implementing schemes like 'Emergency Credit Line Guarantee Scheme'. Under this scheme, loans were provided to industries on 100 percent government guarantee without any guarantee. During the lockdown, when industrial activities were stalled for 68 days, this scheme saved lakhs of small and medium enterprises from bankruptcy. In view of the current situation, necessary changes can also be made in these schemes. Apart from immediate relief, the government is also working on long-term strategies. This includes looking for new markets other than the US and strengthening the integration of the Indian economy with the global supply chain. Until new markets are found, it is the government's priority to provide all possible help to exporters. Along with this, the government is also considering giving relief on the tax front. Many important decisions related to tax reduction can be taken in the GST Council meeting to be held next week. Officials believe that due to the strength of the domestic market, external pressures will not have much effect on the Indian economy. Government officials emphasized that the basis of India's economy is domestic consumption, which gives it the strength to fight external shocks. He said that exports are an important part of the economy, but its contribution to India's $ 4.12 trillion GDP is only about 10 percent ($ 438 billion). The country's economic growth rate stood at 7.8 per cent in the quarter ending June on the back of strong domestic demand, which is proof that external factors like tariffs will not be able to impact the Indian economy much.

Election Commission's big action, 3 lakh 'suspicious' names will be deleted; Notice to people who came from Bangladesh-Nepal

Patna, There has been a political upheaval over the voter list before the assembly elections in Bihar. There is a stir in the whole country due to the notices sent to about 3 lakh people under the Special Intensive Revision (SDR) process started by the Election Commission. The Commission has found discrepancies in the documents of these people, many of whom are suspected of coming from Bangladesh and Nepal and getting Indian voter cards. In protest against this action, Congress leader Rahul Gandhi and senior leader Tejashwi Yadav are taking out Voter Rights Yatra, in which Samajwadi Party President Akhilesh Yadav has also joined. The Election Commission has launched a campaign to purify the voter list of Bihar. Under this, notices have been issued to those 3 lakh voters whose documents are in doubt. If satisfactory answers or valid documents are not presented, the names of these people can be removed from the voter list. Most of the cases have come from districts like Kishanganj bordering Nepal and Bangladesh. When an attempt was made to know the ground reality of this matter, many emotional and complex stories came to the fore. In Thakurganj bordering Nepal, people told that there has been a relationship of daughter and bread between India and Nepal for centuries. Nepali girls have been getting married in India, but now they are unable to provide the 11 types of documents that are being demanded from them, because their parents were Nepali citizens and are no longer alive. At the same time, a person expressed his pain and said, my father came to India from Bangladesh, but I and my siblings were born here. I had submitted voter ID and Aadhar card, but could not give the residence certificate due to staying outside for labor. Now if the right to vote is taken away, where will I go with my family? The opposition has opened a front against the government on this issue. Akhilesh Yadav, who joined the yatra with Rahul and Tejashwi on Saturday, launched a scathing attack on the process of SIDBI. He said, this SIDBI means that they want to 'steal votes'.

Mahameeting on Maratha reservation begins: Jarange's health deteriorated, doctors arrived at midnight; all eyes on Fadnavis

Mumbai, The fast going on in Mumbai's Azad Maidan demanding Maratha reservation has now reached a decisive turn. On one hand, Maratha activist Manoj Jarange Patil's health has deteriorated on the third day of the fast, while on the other hand, an important meeting of the government's Maratha reservation sub-committee has begun to find a solution to this crisis. All eyes are now on Chief Minister Devendra Fadnavis whether any decision will be taken on this matter today. The condition of Manoj Jarange Patil, who has been on a fast without eating or drinking anything since Friday, started deteriorating on Sunday morning. He felt uneasy even late on Saturday night, after which a team of doctors had to be immediately called to Azad Maidan. The doctors examined him and have warned that if the fast continues for some more time, his condition may deteriorate rapidly. Meanwhile, the health of other protesters involved in the movement has also started deteriorating. In the last two days, about 100 agitators have been treated for problems like body ache and headache at GT and St. George Hospital. The government has swung into action to avert this crisis. An important meeting of the Maratha reservation sub-committee has started at 11 am today at the bungalow of Minister Radhakrishna Vikhe Patil. Earlier on Saturday, Justice Shinde and the secretary of the sub-committee met Jarange for 45 minutes, but it remained inconclusive. After this, late at night Vikhe Patil also met Chief Minister Devendra Fadnavis and apprised him of the situation. A decision on further strategy will be taken in today's meeting. Manoj Jarange clarified his demand, accusing the government of spreading misinformation. He said, we are not demanding reservation from the Other Backward Classes (OBC) quota. We are just saying that the Maratha community should be given our fair share of the quota (10% reservation) on the basis of eligibility under the Kunbi category. He warned, we do not want to get into politics, we only want reservation. The government should not test the patience of the Maratha community.

Relations will improve with trust and respect, consensus reached on border management, PM Modi said after meeting Jinping

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi met President Xi Jinping in Tianjin, China on Sunday. This meeting took place before the Shanghai Cooperation Organization (SCO) summit, which lasted for about 40 minutes. In the meeting, both the leaders emphasized on peace on the border, mutual cooperation and strengthening bilateral relations. Prime Minister Modi thanked President Jinping for the warm welcome and said that the meeting held in Kazan last year gave a positive direction to the relations. He said that after disengagement on the border, an atmosphere of peace and stability has been created. Modi said that consensus has been reached on border management between the special representatives. Kailash Mansarovar Yatra and direct flights between the two countries have resumed. He said that 2.8 billion people are connected with the cooperation of India and China and this will pave the way for the welfare of the entire humanity. The Prime Minister clarified that India is committed to taking forward the relations on the basis of mutual trust, respect and sensitivity. He also congratulated President Jinping for the successful chairmanship of the SIC. NSA Ajit Doval, Foreign Secretary Vikram Misri, Indian Ambassador to China Pradeep Rawat and Joint Secretary (East Asia) Gaurang Lal Das were present with PM Modi in this meeting. Jinping said - It is important for the dragon and the elephant to come together. President Xi Jinping expressed happiness over the meeting with PM Modi. He said that the last meeting held in Kazan was successful and it is very important for India and China to come together. Jinping said, the world is going through a period of big change. India and China are two of the most civilized and populous countries and are an important part of the Global South. It is very important to be friends, to be good neighbors and for the dragon and the elephant to come together. He said that this year is the 75th anniversary of India-China diplomatic relations. Both countries should take forward the relations with a strategic and long-term perspective. Jinping also emphasized the responsibility of maintaining multilateralism, multipolar world and democracy in international institutions and said that India and China will have to work together for the peace and prosperity of Asia and the world.

'Pavitra Rishta' fame actress Priya Marathe dies at the age of 38, was suffering from cancer for a year

Mumbai, A sad news has come from the entertainment industry. Famous TV actress and comedian Priya Marathe has passed away at the age of 38. She breathed her last in Mumbai on Sunday (31 August 2025). It is being told that Priya was battling cancer for the last one year and today lost a long battle with the disease. Priya Marathe was a well-known actress of the small screen as well as a stand-up comedian. She proved her acting prowess in both Marathi and Hindi industry. Priya started her career with Marathi serials 'Ya Sukhanoya' and 'Char Divas Sasuche'. After this, she appeared in the role of Vidya Bali in Balaji Telefilms' show 'Kasam Se'. She also got recognition from the first season of Comedy Circus. At the same time, her character in Ekta Kapoor's superhit show 'Pavitra Rishta' also made a special identity. She always won the hearts of the audience with her strong acting and comic timing. Born on 23 April 1987 in Mumbai, Priya Marathe completed her studies from here and then entered the acting world. While fulfilling her dreams in the industry, she played many memorable characters. The news of her sudden departure from the world has shocked family, friends and fans.